CLASS - X

हिंदी (प्रथम भाषा) (HINDI FIRST LANGUAGE)

Name of The Lesson : 2. नेताजी का चश्मा

Total No. of Teaching Periods : 10

Total No. of Worksheets : 10

Learning Outcomes : सीखने की संप्राप्तियाँ

- छात्र उन्मुखीकरण प्रसंग पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगे।
- पाठ के उद्देश्य को समझेंगे।
- विधा विशेष द्वारा कहानी का अर्थ जानेंगे। कहानी की विशेषता समझेंगे।
- लेखक स्वयंप्रकाश के जीवन से परिचित होंगे।
- विशेष प्रवेश द्वारा पाठ के मूल अर्थ को समझेंगे।
- पाठ के भाव को समझकर प्रश्नों के उत्तर देंगे और अपने शब्दों में पाठ का सारांश बोलेंगे।
- अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया के अंतर्गत प्रश्नों के उत्तर देंगे, पाठ पढ़कर प्रश्नों के उत्तर बताएँगे, पाठ में वाक्यों को ढूँढ़ेंगे। गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखेंगे।
- अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता के अंतर्गत स्वरचना के प्रश्नों के उत्तर आपसी विचार विमर्श द्वारा, चर्चा द्वारा लिखेंगे। बातचीत को संवाद के रूप में लिखेंगे, देशभक्तों की प्रशंसा कर सकेंगे।
- भाषा की बात में शब्द-भंडार में वृद्धि करने का प्रयास करेंगे। संधि, समास, निपात जैसे अभ्यासों को भली-भाँति करेंगे। मुहावरों का प्रयोग समझेंगे। सर्वनाम वाले शब्दों का उचित ढंग से प्रयोग करेंगे।

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL) **Medium : EM/HM** **Subject : Hindi**

Lesson Name:1. नेताजी का चश्मा **Topic/Concept : उन्मुखीकरण** **Worksheet No.: 11**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र उन्मुखीकरण प्रसंग के बारे में बातचीत करेंगे, साथ ही पाठ के उद्देश्य, विधा-प्रवेश संबंधी जानकारी हासिल करेंगे।

छात्र अपनी पाठ्य-पुस्तक में उन्मुखीकरण प्रसंग, उद्देश्य और विधा-प्रवेश पढ़ेंगे और बातचीत करेंगे।

उन्मुखीकरण

एक अच्छे सैनिक के गुण हैं देशभक्ति, सजगता, धैर्य, साहस और अनुशासन। भारतीय सैनिकों में यह गुण कूट-कूट कर भरे हैं। यही नहीं बाढ़, तूफ़ान, भूकंप, सूखा, आदि प्राकृतिक विपदाओं के समय वे जिस प्रकार की सहायता करते हैं, इससे उनकी सेवा-भावना का भी परिचय मिलता है।

उद्देश्य

छात्रों में कहानी लेखन कौशल का विकास करना, शब्द भंडार में वृद्धि करना, कहानी द्वारा कल्पना-शक्ति का विकास करना और कहानी की भाषा शैली का विकास करना इसका मुख्य उद्देश्य है।

विधा विशेष

'कहानी' शब्द 'कह' धातु के साथ 'आनी' कृत प्रत्यय जोड़ने से बना है। 'कह' का आशय कहने से है। किसी घटना या बात का सुंदर ढंग से प्रस्तुतीकरण ही कहानी है। कहानी एक लघु आकार की गद्य रचना है। कथावस्तु, पात्र, संवाद, वातावरण, भाषा शैली, उद्देश्य आदि इसके तत्व हैं। यह एक ऐतिहासिक कहानी है। इसकी 'वर्णनात्मक शैली' है।

PRACTICE SHEET

1. आदर्श सैनिक में कौन-कौन से गुण होते हैं?
2. प्राकृतिक विपदाओं के समय सैनिकों का क्या सहयोग होता है?
3. देश की रक्षा करने में सैनिकों का क्या योगदान है?
4. इस पाठ का प्रधान उद्देश्य क्या है?
5. कहानी शब्द की उत्पत्ति किस धातु से हुई है?

ASSESSMENT SHEET

1. आप एक नागरिक के नाते समाज व देश के लिए किस प्रकार की सेवा-भावना रखना पसंद करते हैं?
2. यदि आप किसी सैनिक से मिलेंगे तो उनसे क्या बातचीत करेंगे?
3. इस वर्षा ऋतु में बाढ़ जैसा संकट उत्पन्न होने पर आप अपना कर्तव्य कैसे निभाएँगे?
4. देशभक्तों के साथ हमें कैसा व्यवहार करना चाहिए?
5. कहानी के तत्वों के बारे में आप क्या जानते हैं?

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL) **Medium : EM/HM** **Subject : Hindi**

Lesson Name: नेताजी का चश्मा **Topic/Concept : विषय वस्तु** **Worksheet No.: 12**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र लेखक स्वयं प्रकाश के बारे में जानेंगे। देशभक्त और देशभक्ति को समझेंगे।

छात्र अपनी पाठ्य-पुस्तक में लेखक परिचय, विषय प्रवेश और ''हालदार साहब को हर पंद्रहवें दिन ..... देश-भक्ति भी आजकल मज़ाक की चीज़ होती जा रही है।'' तक पढ़ेंगे।

लेखक परिचय

स्वयंप्रकाश का जन्म सन् 1947 में इंदौर, मध्यप्रदेश में हुआ। आठवें दशक में उभरे स्वयं प्रकाश आज समकालीन कहानी के महत्वपूर्ण हस्ताक्षर हैं। उनके 13 कहानी-संग्रह प्रकाशित हुए हैं। जिनमें सूरज कब निकलेगा, आयेंगे अच्छे दिन भी, आदमी जात का आदमी और संधान उल्लेखनीय है। मध्यवर्गीय जीवन के कुशल चितेरे स्वयं प्रकाश की कहानियों में वर्ग शोषण के विरुद्ध चेतना है तो हमारे सामाजिक जीवन के भेद-भाव के खिलाफ़ प्रतिकार का स्वर भी है। रोचक किस्सागोई शैली में लिखी गई उनकी कहानियाँ हिंदी की वाचिक परंपरा को समृद्ध करती हैं।

विषय प्रवेश :चारों ओर सीमाओं से घिरे भूभाग का नाम ही देश नहीं होता। देश बनता है इसमें रहने वाले सभी नागरिकों, नदियों, पहाड़ों, पेड़-पौधों, वनस्पतियों, पशु-पक्षियों से। इन सबसे प्रेम करने तथा इनकी समृद्धि के लिए प्रयास करने का नाम देशभक्ति है। इस कहानी में देश के निर्माण में सब अपने-अपने तरीके से सहयोग देते हैं, बड़े ही नहीं बच्चे भी इसमें शामिल हैं। हालदार साहब ने पानवाले से पूछा क्यों भाई, क्या बात है? यह तुम्हारे नेता जी का चश्मा हर बार बदल कैसे जाता है? पानवाले ने बोला, कैप्टन चश्मेवाला करता है। आइए, उस चश्मेवाले के बारे में जानेंगे जो एक देशभक्त ही नहीं बल्कि देशभक्तों का भी प्रेमी है।

हालदार साहब को हर पंद्रहवें दिन कंपनी के काम के सिलसिले में उस कस्बे से गुज़रना पड़ता था। कस्बा बहुत बड़ा नहीं था। जिसे पक्का मकान कहा जा सके वैसे कुछ ही मकान और जिसे बाज़ार कहा जा सके वैसा एक ही बाज़ार था। कस्बे में एक लड़कों का स्कूल एक लड़कियों का स्कूल, एक सीमेंट का छोटा-सा कारखाना, दो ओपन एयर सिनेमाघर और एक ठो नगरपालिका भी थी नगरपालिका थी तो कुछ-न-कुछ करती भी रहती थी। कभी कोई सड़क पक्की करवा दी, कभी कुछ पेशाबघर बनवा दिये, कभी कबूतरों की छतरी बनवा दी तो कभी कवि सम्मेलन करवा दिया। इसी नगरपालिका के किसी उत्साही बोर्ड या प्रशासनिक अधिकारी ने एक बार 'शहर' के मुख्य बाज़ार के मुख्य चौराहे पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस की एक संगमरमर की प्रतिमा लगवा दी। यह कहानी उसी प्रतिमा के बारे में है, बल्कि उसके भी एक छोटे से हिस्से के बारे में।

पूरी बात तो अब पता नहीं, लेकिन लगता है कि देश के अच्छे मूर्तिकारों की जानकारी नहीं होने और अच्छी मूर्ति की लागत और अनुमान और उपलब्ध बजट से कहीं बहुत ज्यादा होने के कारण काफ़ी समय ऊहापोह और चिट्ठी-पत्री में बरबाद हुआ होगा और बोर्ड की शासनावधि समाप्त होने की घड़ियों में किसी स्थानीय कलाकार को ही अवसर देने का निर्णय किया गया होगा, और अंत में कस्बे के इकलौते हाई स्कूल के इकलौते ड्राइंग मॉस्टर मान लीजिए मोतीलाल जी-को ही यह काम सौंप दिया गया होगा, जो महीने-भर में मूर्ति बनाकर 'पटक देने' का विश्वास दिला रहे थे।

जैसा कि कहा जा चुका है, मूर्ति संगमरमर की थी। टोपी की नोक से कोट के दूसरे बटन तक कोई दो फुट ऊँची। जिसे कहते हैं बस्ट। और सुंदर थी। नेताजी सुंदर लग रहे थे। कुछ-कुछ मासूम और कमसिन। फ़ौजी में। मूर्ति को देखते ही 'दिल्ली चलो' और 'तुम मुझे खून दो....' वगैरह याद आने लगते थे। इस दृष्टि से यह सफल और सराहनीय प्रयास था। केवल एक ही चीज़ की कसर थी जो देखते ही खटकती थी। नेताजी की आँखों पर चश्मा नहीं था। यानी चश्मा तो था, लेकिन संगमरमर का नहीं था। एक सामान्य और सचमुच के चश्मे का चौड़ा काला फ्रेम मूर्ति को पहना दिया गया था। हालदार साहब जब पहली बार इस कस्बे से गुज़रे और चौराहे पर पान खाने रुके तभी उन्होंने इसे लक्षित किया और उनके चेहरे पर एक कौतुक भरी मुसकान फैल गयी। वाह भई! यह आइडिया भी ठीक है। मूर्ति पत्थर की, लेकिन चश्मा गयी तब भी हालदार साहब इस मूर्ति के बारे में ही सोचते रहे, और अंत में इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि कुल मिलाकर कस्बे के नागरिकों का यह प्रयास सराहनीय ही कहा जाना चाहिए। महत्व मूर्ति के रंग-रूप या कद का नहीं, उस भावना का है वरना तो देश-भक्ति भी आजकल मज़ाक की चीज़ होती जा रही है।

PRACTICE SHEET

1. स्वयंप्रकाश की प्रमुख रचनाएँ क्या हैं?
2. देशभक्ति का अर्थ क्या है?
3. कस्बे में क्या-क्या सुविधाएँ थीं?
4. यह कहानी किसकी प्रतिमा के बारे में है?
5. बस्ट का अर्थ क्या है?
6. मूर्ति को देखने पर कौन-सी बात खटकती थी?

ASSESSMENT SHEET

1. सुभाषचंद्र बोस के कुछ नारे बताइए।
2. आपके गाँव/कस्बे में कौन-कौन सी सुविधाएँ उपलब्ध हैं?
3. आप जहाँ रहते हैं वहाँ किन-किन की मूर्तियाँ लगाई हुई हैं?
4. हालदार साहब ने कस्बे के नागरिकों के प्रयास को सराहनीय क्यों समझा होगा?
5. मूर्ति को पहली बार देखकर हालदार साहब क्यों नाराज हुए थे?

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL) **Medium : EM/HM** **Subject : Hindi**

Lesson Name:नेताजी का चश्मा **Topic/Concept : विषय वस्तु** **Worksheet No.: 13**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र पाठ को हाव-भाव के साथ पढ़ेंगे, पाठ के आधार पर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगे, पाठ की शब्दावली को समझेंगे।

छात्र अपनी पाठ्य-पुस्तक में ''दूसरी बार जब ..... मास्टर बनाना भूल गया।'' तक पढ़ेंगे।

दूसरी बार जब हालदार साहब उधर से गुज़रे तो उन्हें मूर्ति में कुछ अंतर दिखायी दिया। ध्यान से देखा तो पाया कि चश्मा दूसरा है। पहले मोटे फ्रेमवाला चौकोर चश्मा था, अब तार के फ्रेमवाला गोल चश्मा है। हालदार साहब का कौतुक और बढ़ा। वाह भई! क्या आइडिया है। मूर्ति कपड़े नहीं बदल सकती लेकिन चश्मा तो बदल ही सकती है।

तीसरी बार फिर नया चश्मा था।

हालदार साहब की आदत पड़ गयी, हर बार कस्बे से गुज़रते समय चौराहे पर रुकना, पान खाना और मूर्ति को ध्यान से देखना। एक बार जब कौतूहल दुर्दमनीय हो उठा तो पानवाले से ही पूछ लिया, क्यों भई! क्या बात है? यह तुम्हारे नेताजी का चश्मा हर बार बदल कैसे जाता है?

पानवाले के खुद के मुँह में पान ठूँसा हुआ था। वह एक काला मोटा और खुशमिज़ाज आदमी था। हालदार साहब का प्रश्न सुनकर वह आँखों-ही-आँखों में हँसा। उसकी तोंद थिरकी। पीछे घूमकर उसने दुकान के नीचे पान थूका और अपनी लाल-काली बत्तीसी दिखाकर बोला, कैप्टन चश्मेवाला करता है।

क्या करता है? हालदार साहब कुछ समझ नहीं पाये।

चश्मा चेंज कर देता है। पानवाले ने समझाया।

क्या मतलब? क्या चेंज कर देता है? हालदार साहब अब भी नहीं समझ पाये।

कोई गिराक आ गया समझो। उसको चौड़े चौखट चाहिए। तो कैप्टन किधर से लाएगा? तो उसको मूर्तिवाला दे दिया। उधर दूसरा बिठा दिया।

अब हालदार साहब को बात कुछ-कुछ समझ में आयी। एक चश्मेवाला है जिसका नाम कैप्टन है। उसे नेताजी की बगैर चश्मेवाली मूर्ति बुरी लगती है। बल्कि आहत करती है, मानो चश्मे के बगैर नेताजी को असुविधा हो रही हो। इसलिए वह अपनी छोटी-सी दुकान में उपलब्ध गिने-चुने फ्रेमों में से एक नेताजी की मूर्ति पर फिट कर देता है। लेकिन जब कोई ग्राहक आता है और उसे वैसे ही फ्रेम की दरकार होती है जैसा मूर्ति पर लगा है तो कैप्टन चश्मेवाला मूर्ति पर लगा फ्रेम संभवतः नेताजी से क्षमा माँगते हुए लाकर ग्राहक को दे देता है और बाद में नेताजी को दूसरा फ्रेम लौटा देता है। वाह! भई खूब! क्या आइडिया है।

लेकिन भाई! एक बात अभी भी समझ में नहीं आयी। हालदार साहब ने पानवाले से फिर पूछा, नेताजी का ओरिजिनल चश्मा कहाँ गया?

पानवाला दूसरा पान मुँह में ठूँस चुका था। दोपहर का समय था, 'दुकान' पर भीड़-भाड़ अधिक नहीं थी। वह फिर आँखों- ही-आँखों में हँसा। उसकी तोंद थिरकी। कत्थे की डंडी फेंक,पीछे मुड़कर उसने नीचे पीक थूकी और मुसकराता हुआ बोला, मास्टर बनाना भूल गया।

PRACTICE SHEET

1. दूसरी बार जब हालदार साहब को मूर्ति में क्या अंतर दिखायी दिया?
2. पानवाला कैसा आदमी था?
3. चश्मा कौन चेंज करता था?
4. पानवाला मुस्कुराता हुआ क्या बोला?

ASSESSMENT SHEET

1. हालदार साहब पानवाले की बातों पर क्यों आश्चर्यचकित हुए?
2. कैप्टन मूर्ति के फ्रेम बार-बार क्यों चेंज़ करता था?
3. कैप्टन का मूर्ति पर बार-बार चश्मे का फ्रेम बदलना उसका व्यापार था या देशभक्ति, अपना विचार प्रकट कीजिए।
4. अब तक पढ़े गये पाठ में आपको किसका स्वभाव अच्छा लगा? (हालदार साहब, कैप्टन या पानवाला) क्यों?

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL) **Medium : EM/HM** **Subject : Hindi**

Lesson Name:नेताजी का चश्मा **Topic/Concept : विषय वस्तु** **Worksheet No.: 14**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र पाठ को हाव-भाव के साथ पढ़ेंगे, पाठ के आधार पर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगे, पाठ की शब्दावली को समझेंगे।

छात्र अपनी पाठ्य-पुस्तक में ''पानवाले के लिए यह एक ..... अधिकांश दुकानें बंद थी।'' तक पढ़ेंगे।

पानवाले के लिए यह एक मज़ेदार बात थी लेकिन हालदार साहब के लिए चकित और द्रवित करने वाली। यानी वह ठीक ही सोच रहे थे। मूर्ति के नीचे लिखा 'मूर्तिकार मास्टर मोतीलाल' वाकई कस्बे का अध्यापक था। बेचारे ने महीने-भर में मूर्ति बनाकर पटक देने का वादा कर दिया होगा। बना भी ली होगी लेकिन पत्थर में पारदर्शी चश्मा कैसे बनाया जाए-काँचवाला- यह तय नहीं कर पाया होगा। या कोशिश की होगी और असफल रहा होगा। या बनाते-बनाते 'कुछ और बारीकी' के चक्कर में चश्मा टूट गया होगा। या पत्थर का चश्मा अलग से बनाकर फिट किया होगा और वह निकल गया होगा। उफ़ .....।

हालदार साहब को यह सब कुछ बड़ा विचित्र और कौतूकभरा लग रहा था। इन्हीं खयालों में खोए-खोए पान के पैसे चुकाकर चश्मेवाले की देश-भक्ति के समक्ष नतमस्तक होते हुए वह जीप की तरफ़ चले, फिर रुके, पीछे मुड़े और पानवाले के पास जाकर पूछा, क्या कैप्टन चश्मेवाला नेताजी का साथी है? या आज़ाद हिंद फ़ौज का भूतपूर्व सिपाही?

पानवाला नया पान खा रहा था। पान पकड़े अपने हाथ को मुँह से डेढ़ इंच दूर रोककर उसने हालदार साहब को ध्यान से देखा, फिर अपनी लाल-काली बत्तीसी दिखाई और मुसकराकर बोला- नहीं साब! वो लँगड़ा क्या जाएगा फ़ौज में। पागल है पागल! वो देखो, वो आ रहा है। आप उसी से बात कर लो। फ़ोटो-वोटो छपवा दो उसकी कहीं।

हालदार साहब को पानवाले द्वारा एक देशभक्त का इस तरह मज़ाक उड़ाया जाना अच्छा नहीं लगा। मुड़कर देखा तो अवाक् रह गये। एक बेहद बूढ़ा मरियल-सा लँगड़ा आदमी सिर पर गाँधी टोपी और आँखों पर काला चश्मा लगाये एक हाथ में एक छोटी-सी संदूकची और दूसरे हाथ में एक बाँस पर टँगे बहुत-से चश्मे लिए अभी-अभी एक गली से निकला था और अब एक बंद दुकान के सहारे अपना बाँस टिका रहा था। तो इस बेचारे की दुकान भी नहीं! फेरी लगाता है। हालदार साहब चक्कर में पड़ गये। पूछना चाहते थे, इसे कैप्टन क्यों कहते हैं? क्या यही इसका वास्तविक नाम है? लेकिन पानवाले ने साफ़ बता दिया था कि अब वह इस बारे में और बात करने को तैयार नहीं। ड्राइवर भी बेचैन हो रहा था। काम भी था। हालदार साहब जीप में बैठकर चले गये।

दो साल तक हालदार साहब अपने काम के सिलसिले में उस कस्बे से गुज़रते रहे और नेताजी की मूर्ति में बदलते हुए चश्मों को देखते रहे। कभी गोल चश्मा होता, तो कभी चौकोर, कभी लाल, कभी काला, कभी धूप का चश्मा, कभी बड़े काँचों वाला गोगो चश्मा ..... पर कोई-न-कोई चश्मा होता ज़रूर.... उस धूलभरी यात्रा में हालदार साहब को कौतुक और प्रफुल्लता के कुछ क्षण देने के लिए।

फिर एक बार ऐसा हुआ कि मूर्ति के चेहरे पर कोई भी, कैसा भी चश्मा नहीं था। उस दिन पान की दुकान भी बंद थी। चौराहे की अधिकांश दुकानें बंद थीं।

PRACTICE SHEET

1. मूर्तिकार वास्तव में कौन था?
2. हालदार साहब के मन में चश्मेवाले को लेकर कौन-कौन से प्रश्न उठे?
3. हालदार साहब को किस बात से नाराज़गी हुई?
4. हालदार साहब जीप में बैठकर क्यों चले गये?

ASSESSMENT SHEET

1. चश्मेवाले की देशभक्ति के समक्ष हालदार साहब नतमस्तक क्यों हुए?
2. कस्बे वाले चश्मेवाले को कैप्टन क्यों कहते थे?
3. चश्मेवाले का हाल कैसा था?

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL) **Medium : EM/HM** **Subject : Hindi**

Lesson Name:नेताजी का चश्मा **Topic/Concept : विषय वस्तु** **Worksheet No.: 15**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र पाठ को अच्छी तरह पढ़ सकेंगे, अर्थ ग्राहण करेंगे और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर सकेंगे। शब्दावली का प्रयोग संदर्भानुसार कर सकेंगे।

छात्र अपनी पाठ्य-पुस्तक में ''अगली बार भी मूर्ति की आँखों पर ..... उनकी आँखें भर आयीं।'' तक पढ़ेंगे।

अगली बार भी मूर्ति की आँखों पर चश्मा नहीं था। हालदार साहब ने पान खाया और धीरे से पानवाले से पूछा- क्यों भई, क्या बात है? आज तुम्हारे नेताजी की आँखों पर चश्मा नहीं है?

पानवाला उदास हो गया। उसने पीछे मुड़कर मुँह का पान नीचे थूका और सिर झुकाकर अपनी धोती के सिरे से आँखें पोंछता हुआ बोला- साहब! कैप्टन मर गया।

और कुछ नहीं पूछ पाये हालदार साहब। कुछ पल चुपचाप खड़े रहे, फिर पान के पैसे चुकाकर जीप में आ बैठे और रवाना हो गये।

बार-बार सोचते, क्या होगा उस क़ौम का जो अपने देश की ख़ातिर घर-गृहस्थी-जवानी-ज़िंदगी सब कुछ होम देनेवालों पर भी हँसती है और अपने लिए बिकने के मौके ढूँढ़ती है। दुखी हो गये। पंद्रह दिन बाद फिर उसी कस्बे से गुज़रे। कस्बे में घुसने से पहले ही खयाल आया कि कस्बे की हृदयस्थली में सुभाष की प्रतिमा अवश्य ही प्रतिष्ठापित होगी, लेकिन सुभाष की आँखों पर चश्मा नहीं होगा।.....क्योंकि मास्टर बनाना भूल गया। .....और कैप्टन मर गया। सोचा, आज वहाँ रुकेंगे नहीं, पान भी नहीं खाएँगे, मूर्ति की तरफ़ देखेंगे भी नहीं, सीधे निकल जाएँगे। ड्राइवर से कह दिया, चौराहे पर रुकना नहीं, आज बहुत काम है, पान आगे कहीं खा लेंगे।

लेकिन आदत से मजबूर आँखें चौराहा आते ही मूर्ति की तरफ़ उठ गयीं। कुछ ऐसा देखा कि चीखे, रोको! जीप स्पीड में थी, ड्राइवर ने ज़ोर से ब्रेक मारे। रास्ता चलते लोग देखने लगे। जीप रुकते-न-रुकते हालदार साहब जीप से कूदकर तेज़-तेज़ क़दमों से मूर्ति की तरफ़ लपके और उसके ठीक सामने जाकर अटेंशन में खड़े हो गये।

मूर्ति की आँखों पर सरकंडे से बना छोटा-सा चश्मा रखा हुआ था, जैसा बच्चे बना लेते हैं। हालदार साहब भावुक हैं। इतनी-सी बात पर उनकी आँखें भर आयीं।

PRACTICE SHEET

1. पानवाला किस बात को लेकर उदास था?
2. सुभाष की मूर्ति पर चश्मा न होने का कारण क्या था?
3. हालदार साहब ने अपने ड्राइवर से क्या कहा?
4. जीप के रुकते ही हालदार साहब ने क्या किया?
5. हालदार साहब की आँखें क्यों भर आयीं?

ASSESSMENT SHEET

1. पंद्रह दिन बाद जब हालदार साहब कस्बे से गुजरें तो उनके मन में क्या ख्याल आया और क्यों?
2. पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि चश्मेवाला और हालदार साहब दोनों की देशभक्ति में आप किसकी सराहना करते हैं? क्यों?
3. इस पाठ से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL) **Medium : EM/HM** **Subject : Hindi**

Lesson Name:नेताजी का चश्मा **Topic/Concept : अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया** **Worksheet No.: 16**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया के तहत पूछे गये प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयत्न करेंगे, पाठ पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखेंगे। गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखेंगे।

PRACTICE SHEET

1. आप किन-किन कामों से देशभक्ति प्रकट करते हैं?
2. चौराहों पर किसी प्रसिद्ध व्यक्ति की मूर्ति लगाने का क्या उद्देश्य है?
3. पाठ पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

   अ) चश्मेवाला सच्चे अर्थ में देशभक्त था। कैसे?

   आ) हालदार साहब नेताजी के मूर्ति के सामने भावुक क्यों हुए?
4. पाठ्य-पुस्तक में दिया गया अपठित गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

ASSESSMENT SHEET

1. हालदार साहब जब-जब सुभाष की प्रतिमा के पास से गुजरते तब-तब मूर्ति पर एक नया चश्मा देखते, ऐसी स्थिति में उनके मन में क्या-क्या विचार आते थे?
2. पाठ में निम्न शब्दों को ढूँढ़िए और शब्दों से जुड़े वाक्य लिखिए।

   अ) ओरिजिनल आ) अटेंशन
3. पाठ के अंतिम तीन अनुच्छेद पढ़िए और चार प्रश्न बनाइए।

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL)	**Medium : EM/HM**	**Subject : Hindi**
Lesson Name:नेताजी का चश्मा	**Topic/Concept : लिखो**	**Worksheet No.: 17**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र स्वरचना के प्रश्नों के उत्तर अपने साथियों के साथ विचार करके लिखेंगे।

PRACTICE SHEET

1. चश्मेवाले का संक्षिप्त परिचय अपने शब्दों में लिखिए।
2. एक भाषा में दूसरी भाषा के शब्दों के आने से क्या लाभ होते हैं?
3. ''नेताजी का चश्मा'' में देशभक्ति का मार्मिक प्रतिबिंब है, अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।
4. शहरों, नगरों और गाँवों के मुख्य चौराहों पर प्रसिद्ध व्यक्तियों की मूर्तियाँ क्यों लगाते हैं?

ASSESSMENT SHEET

1. मुख्य चौराहों पर विख्यात व्यक्तियों की मूर्तियाँ लगाना उचित है या अनुचित, कारण सहित अपने विचार लिखिए।
2. एक छात्र के रूप में लोगों में देशभक्ति की भावना बढ़ाने के लिए आप क्या-क्या सुझाव देंगें?
3. चश्मेवाले के स्थान पर यदि आप होते तो क्या करते?
4. नेताजी का चश्मा पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।
5. देश के प्रति श्रद्धा, भक्ति, प्रेम और समर्पण की भावना देश को विकसित और समृद्ध बनाती है। अपने विचार स्पष्ट कीजिए।

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL) **Medium : EM/HM** **Subject : Hindi**

Lesson Name:नेताजी का चश्मा Topic/Concept : सृजनात्मकता,स्वरचना Worksheet No.: 18

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र भाषा का विविध रूपों में प्रयोग करना सीखेगा। भाषा प्रयोग के लाभों को जानेगा।

PRACTICE SHEET

1. हालदार और पानवाले के बीच जो बातचीत हुई, उसे संवाद के रूप में लिखिए।
2. देशभक्ति से जुड़ी कोई एक कहानी ढूँढ़ कर लिखिए।

ASSESSMENT SHEET

1. देशभक्ति से जुड़े पाँच नारों का सृजन करके लिखिए।
2. छात्रों को प्रेरणा दिलाने के लिए आपके पाठशाला प्रांगण में अब्दुल कलाम की मूर्ति लगवाने का अनुरोध करते हुए नगर-निगम प्रधान के नाम पत्र लिखिए।

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL) **Medium : EM/HM** **Subject : Hindi**

Lesson Name:नेताजी का चश्मा **Topic/Concept : भाषा की बात** **Worksheet No.: 19**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र अपने शब्द-भंडार में वृद्धि करेगा। भाषा के विविध प्रकारों को समझेगा।

PRACTICE SHEET

1. पर्यायवाची शब्द लिखिए : निष्कर्ष, सराह, ऊहापोह
2. विलोम शब्द लिखिएः वास्तविक, सफल, सामान्य
3. पृ.सं. (9) लेकिन आदत से .....आँखें भर आयीं। इस अनुच्छेद में प्रयुक्त कारक छाँट कर लिखिए।
4. विग्रह कर समास पहचानिए : देशभक्ति, रंगरूप, चौराहा।
5. विच्छेद कर संधि पहचानिए : भावुक, सदैव

ASSESSMENT SHEET

1. इस पाठ में दिये गये अंग्रेज़ी शब्दों को चुनकर लिखिए, उन शब्दों के अर्थ हिंदी में लिखिए।
2. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित कारक शब्दों से कीजिए।
   - अ) पेड़ ..... बंदर कूद रहा है।
   - आ) माँ ने दही .....चीनी डाली।
   - इ) प्रधानाचार्य ने छात्रों .....पुरस्कार दिया।
   - ई) रीमा .....भाई आया है।
   - उ) वृक्ष .....टहनी गिरी।
3. विग्रह करके समास पहचानिए।

   गिरधर, मृगनयनी, पंचामृत
4. इस कहानी में प्रयुक्त मुहावरों को छाँट कर लिखिए।

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL) **Medium : EM/HM** **Subject : Hindi**

Lesson Name:नेताजी का चश्मा **Topic/Concept : व्याकरणांश** **Worksheet No.: 20**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र सर्वनाम, भेदों को समझेगा।

PRACTICE SHEET

1. सर्वनाम के कितने भेद है? उनके नाम लिखिए।
2. रिक्त स्थानों की पूर्ति अपना, अपने या अपनी शब्दों में से उचित शब्द चयनकर लिखिए।

हालदार साहब
- ..... एक कर्त्तव्य निभा रहे थे।
- ..... घर जा रहे थे।
- ..... मित्रों से मिल रहे थे।
- ..... बात समझा रहे थे।
- ..... भावनाएँ व्यक्त कर रहे थे।
- ..... मित्र से बात कर रहे थे।

ASSESSMENT SHEET

1. निजवाचक सर्वनाम की परिभाषा लिखकर कुछ उदाहरण लिखिए।
2. 'खेल' शब्द को लेकर मैं, हम, तू, तुम, वह, वे सर्वनाम शब्दों को लेकर (पुरुषवाचक) वाक्य लिखिए।

   जैसे : मैं खेलूँगा।

3. नीचे दिये गये वाक्यों में निजवाचक सर्वनाम शब्द पहचानकर लिखिए।

   अ) वह खुद आया था।

   आ) आप स्वयं इसका अनुभव करें।

   इ) वह अपने आप आएगा

4. **नीचे दिए गये वाक्य पढ़िए। वाक्यों में प्रयुक्त 'निपात' समझिए। इनका प्रयोग करते हुए एक-एक वाक्य बनाइए।**

1. **नगरपालिका भी तो कुछ न कुछ करती ही रहती थी।**
2. **किसी स्थानीय कलाकार को ही अवसर देने का निर्णय दिया गया होगा।**
3. **अगली बार भी मूर्ति की आँखों पर चश्मा नहीं था।**
4. **हालदार साहब अब भी नहीं समझ पाये।**
5. **दो साल तक हालदार साहब अपने काम के सिलसिले में उस कस्बे से गुज़रते रहे।**

CLASS - X

हिंदी (प्रथम भाषा) (HINDI FIRST LANGUAGE)

Name of The Lesson : 3. एक कहानी यह भी

Total No. of Teaching Periods : 10

Total No. of Worksheets : 10

Learning Outcomes : सीखने की संप्राप्तियाँ

- प्रस्तावना प्रसंग पर बातचीत करेंगे।
- आत्मकथा के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।
- पाठ में आए नये शब्दों के अर्थ, पर्याय आदि को जानकर लिखेंगे।
- अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया के पठित अपठित अंश पढ़कर उत्तर देंगे।
- पाठ्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर देंगे।
- सारांश अपने शब्दों में लिखेंगे।
- भाषण-लेख लिखेंगे।
- संकेतों के आधार पर मनो रेखाचित्रण द्वारा उत्तर लिखेंगे।
- मुहावरे, युग्म, भिन्नार्थी आदि को जानकर उत्तर लिखेंगे।
- पाठ से संबंधित सृजनात्मक अभिव्यक्ति को अपने शब्दों में लिखेंगे।
- भाषा की बात, भाषिक संरचना को समझकर अभ्यास के उत्तर देंगे।

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL) **Medium : EM/HM** **Subject : Hindi**

Lesson Name: एक कहानी यह भी **Topic/Concept : उन्मुखीकरण** **Worksheet No.: 21**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र उन्मुखीकरण प्रसंग के बारे में बातचीत करेंगे। पाठ के अन्य चित्र पर भी बातचीत करेंगे।

छात्र अपनी पाठ्य-पुस्तक में ''एक कहानी यह भी'' का उन्मुखीकरण पढ़ें।

उन्मुखीकरण

नारी में अनेक गुणों का समन्वय है। उसमें प्राकृतिक अनुराग है, सौंदर्यानुभूति है, संवेदना है और साथ ही साहस भी। वेदों में भी नारी की प्रशस्ति गायी गयी है। इस तरह यह सिद्ध होता है कि नारी ही दिव्य स्वरूपिणी है।

PRACTICE SHEET

1. समाज के विकास में नारी की क्या भूमिका है?
2. नारी को दिव्य स्वरूपिणी क्यों कहा गया है?
3. नारी में कौन-कौन से गुण समाहित हैं?

ASSESSMENT SHEET

1. नारी को देवता के रूप में क्यों पूजा जाता है?
2. ''सौंदर्यानुभूति' किन दो शब्दों से बना है।
3. ''प्रशस्ति'' शब्द का अर्थ लिखिए।
4. नारी में विद्यमान गुणों को लिखिए।

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL) **Medium : EM/HM** **Subject : Hindi**

Lesson Name: एक कहानी यह भी **Topic/Concept : विषय वस्तु** **Worksheet No.: 22**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र लेखक स्वयं प्रकाश के बारे में जानेंगे। देश भक्त और देशभक्ति को समझेंगे।

छात्र अपनी पाठ्य-पुस्तक में 'एक कहानी यह भी' पाठ के उद्देश्य, विधा-विशेष, लेखक परिचय, विषय प्रवेश पढ़ें।

उद्देश्य

छात्रों को लेखन की विविध शैलियों से परिचित कराते हुए आत्मकथा लेखन विधा का ज्ञान कराना, उसकी भाषा शैली से अवगत कराना और उन्हें आत्मकथा लेखन की प्रेरणा देना इस पाठ का मुख्य उद्देश्य है।

विधा विशेष

आत्मकथा का अर्थ है - 'अपनी कहानी'। आत्मकथा में लेखक निष्पक्ष भाव से अपने गुण-दोषों की सम्यक अभिव्यक्ति करता है और अपने चिंतन, संकल्प, विचार एवं अभिप्राय को व्यक्त करने हेतु जीवन के अनेक महत्वपूर्ण पक्षों को उद्घाटित करता है। इसे यों भी कहा जा सकता है कि इस साहित्यिक विधा में लेखक अपने वैयक्तिक जीवन के ही खट्टे-मीठे अनुभवों को क्रमानुसार बाह्य सामाग्रियों तथा स्मृति के आधार पर लिपिबद्ध करता है। इस तरह बीते हुए जीवन का सिंहावलोकन आत्मकथा का मूल तत्व होता है। लेखिका ने इसमें अपने संघर्षमय जीवन की घटनाओं को चुनौतियों के साथ सुंदर भाषा शैली में लिपिबद्ध किया है।

लेखिका परिचय

मन्नू भंडारी एक कुशल लेखिका हैं। इनका जन्म सन् 1931 में मध्यप्रदेश के भानपुरा नामक गाँव में हुआ है। नारी जीवन की समस्याओं का चित्रण करने, उनकी मानसिक स्थिति का विश्लेषण करने तथा युगीन समाज के यथार्थ वर्णन करने में वे अत्यंत लोकप्रिय हैं। मैं हार गयी, तीन निगाहों की एक तस्वीर, अकेली, एक प्लेट सैलाब, यही सच है, आपका बंटी, एक इंच मुस्कान आदि इनकी प्रमुख रचनाएँ हैं।

विषय प्रवेश : शीला अग्रवाल ने साहित्य का दायरा ही नहीं बढ़ाया था बल्कि घर की चारदिवारी के बीच बैठ कर देश की स्थितियों को जानने समझने का जो सिलसिला पिताजी ने शुरु किया था उन्होंने वहाँ से खींच कर उसे भी स्थितियों की सक्रिय भागीदारी में बदल दिया।

शीला अग्रवाल के भाषण से मन्नू भंडारी ने प्रेरणा पाकर देश की स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेते हुए एक महान लेखिका के रूप में उभर कर आयी हैं। आइए, उस महान लेखिका के बारे में जानेंगे।

PRACTICE SHEET

1. ''एक कहानी यह भी'' पाठ का उद्देश्य क्या है?
2. ''एक कहानी यह भी'' कैसा पाठ है?
3. मन्नू भंडारी का परिचय लिखिए।
4. मन्नू भंडारी ने किस आंदोलन में भाग लिया?
5. शीला अग्रवाल के भाषण द्वारा लेखिका को क्या प्रेरणा मिली?

ASSESSMENT SHEET

1. ''अत्मकथा'' का क्या अर्थ है?
2. शीला अग्रवाल से मन्नुभंडारी कैसे प्रेरित हुई?
3. मन्नू भंडारी की प्रमुख रचनाओं के नाम लिखिए।

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL) **Medium : EM/HM** **Subject : Hindi**

Lesson Name:एक कहानी यह भी **Topic/Concept : विषय वस्तु** **Worksheet No.: 23**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा पाठ्यांश को पढ़कर उसमें आए नये शब्द को जानेंगे। पठन कौशल द्वारा पाठ को पढ़कर समझने में सक्षम होंगे।

अपनी पाठ्य-पुस्तक में "एक कहानी यह भी" पाठ के 5 अनुच्छेद पढ़ें।

जन्मी तो मध्य प्रदेश के भानपुरा गाँव में थी, लेकिन मेरी यादों का सिलसिला शुरु होता है अजमेर के ब्रह्मपुरी मोहल्ले के उस दो-मंज़िला मकान से, जिसकी ऊपरी मंज़िल में पिताजी का साम्राज्य था, जहाँ वे निहायत अव्यवस्थित ढंग से फैली-बिखरी पुस्तकों-पत्रिकाओं और अख़बारों के बीच या तो कुछ पढ़ते रहते थे या फिर 'डिक्टेशन' देते रहते थे। नीचे हम सब भाई-बहिनों के साथ रहती थीं हमारी बेपढ़ी-लिखी व्यक्तित्व विहीन माँ...सवेरे से शाम तक हम सबकी इच्छाओं और पिता जी की आज्ञाओं का पालन करने के लिए सदैव तत्पर। अजमेर से पहले पिता जी इंदौर में थे जहाँ उनकी बड़ी प्रतिष्ठा थी, सम्मान था, नाम था। कांग्रेस के साथ-साथ समाज-सुधार के कामों से भी जुड़े हुए थे। शिक्षा के वे केवल उपदेश ही नहीं देते थे, बल्कि उन दिनों आठ-आठ, दस-दस विद्यार्थियों को अपने घर रखकर पढ़ाया है जिनमें से कई तो बाद में ऊँचे-ऊँचे ओहदों पर पहुँचे। ये उनकी खुशहाली के दिन थे और उन दिनों उनकी दरियादिली के चर्चे भी कम नहीं थे। एक ओर वे बेहद कोमल और संवेदनशील व्यक्ति थे तो दूसरी ओर बेहद क्रोधी और अहंवादी।

पर यह सब तो मैंने केवल सुना। देखा, तब तो इन गुणों के भग्नावशेषों को ढोते पिता थे। एक बहुत बड़े आर्थिक झटके के कारण वे इंदौर से अजमेर आ गये थे, जहाँ उन्होंने अपने अकेले के बल-बूते और हौंसले से अंग्रेज़ी-हिंदी शब्दकोश (विषयवार) के अधूरे काम को आगे बढ़ाना शुरु किया जो अपनी तरह का पहला और अकेला शब्दकोश था। इसने उन्हें यश और प्रतिष्ठा तो बहुत दी, पर अर्थ नहीं और शायद गिरती आर्थिक स्थिति ने ही उनके व्यक्तित्व के सारे सकारात्मक पहलुओं को निचोड़ना शुरु कर दिया। सिकुड़ती आर्थिक स्थिति के कारण और अधिक विस्फारित उनका अहं उन्हें इस बात तक की अनुमति नहीं देता था कि वे कम-से-कम अपने बच्चों को तो

अपनी आर्थिक विवशताओं का भागीदार बनाएँ। नवाबी आदतें, अधूरी महत्वाकांक्षाएँ, हमेशा शीर्ष पर रहने के बाद हाशिए पर सरकते चले जाने की यातना क्रोध बनकर हमेशा माँ को कँपाती-थरथराती रहती थीं। अपनों के हाथों विश्वासघात की जाने कैसी गहरी चोटें होंगी वे जिन्होंने आँख मूँदकर सबका विश्वास करने वाले पिता को बाद के दिनों में इतना शक्की बना दिया था कि जब-तब हम लोग भी उसकी चपेट में आते ही रहते।

पर यह पितृ-गाथा मैं इसलिए नहीं गा रही कि मुझे उनका गौरव-गान करना है, बल्कि मैं तो यह देखना चाहती हूँ कि उनके व्यक्तित्व की कौन-सी खूबी और खामियाँ मेरे व्यक्तित्व के ताने-बाने में गुँथी हुई हैं या कि अनजाने-अनचाहे किये उनके व्यवहार ने मेरे भीतर किन ग्रंथियों को जन्म दे दिया। मैं काली हूँ। बचपन में दुबली और मरियल भी थी। गोरा रंग पिता जी की कमज़ोरी थी सो बचपन में मुझसे दो साल बड़ी, खूब गोरी, स्वस्थ और हँसमुख बहिन सुशीला से हर बात में तुलना और फिर उसकी प्रशंसा ने ही, क्या मेरे भीतर ऐसे गहरे हीन-भाव की ग्रंथि पैदा नहीं कर दी कि नाम, सम्मान और प्रतिष्ठा पाने के बावजूद आज तक मैं उससे उबर नहीं पायी? आज भी परिचय करवाते समय जब कोई कुछ विशेषता लगाकर मेरी लेखकीय उपलब्धियों का ज़िक्र करने लगता है तो मैं संकोच से सिमट ही नहीं जाती बल्कि गड़ने-गड़ने को हो आती हूँ। शायद अचेतन की किसी पर्त के नीचे दबी इसी हीन-भावना के चलते मैं अपनी किसी भी उपलब्धि पर भरोसा नहीं कर पाती... सब कुछ मुझे तुक्का ही लगता है। पिता जी के जिस शक्की स्वभाव पर मैं कभी भन्ना-भन्ना जाती थी, आज एकाएक अपने खंडित विश्वासों की व्यथा के नीचे मुझे उनके शक्की स्वभाव की झलक ही दिखायी देती है...बहुत 'अपनों' के हाथों विश्वासघात की गहरी व्यथा से उपजा शक। होश सँभालने के बाद से ही जिन पिता जी से किसी-न-किसी बात पर हमेशा मेरी टक्कर ही चलती रही, वे तो न जाने कितने रूपों में मुझमें हैं...कहीं कुंठाओं के रूप में, कहीं प्रतिक्रिया के रूप में तो कहीं प्रतिच्छाया के रूप में। केवल बाहरी भिन्नता के आधार पर अपनी परंपरा और पीढ़ियों को नकारने वालों को क्या सचमुच इस बात का बिलकुल अहसास नहीं होता कि उनका आसन्न अतीत किस कदर उनके भीतर जड़ जमाये बैठा रहता है!समय का प्रवाह भले ही हमें दूसरी दिशाओं में बहाकर ले जाए...स्थितियों का दबाव भले ही हमारा रूप बदल दे, हमें पूरी तरह उससे मुक्त तो नहीं कर सकता!

पिता के ठीक विपरीत थीं हमारी बेपढ़ी-लिखी माँ। धरती से कुछ ज़्यादा ही धैर्य और सहनशक्ति थी शायद उनमें। पिता जी की हर ज़्यादती को अपना प्राप्य और बच्चों की हर उचित-अनुचित फ़रमाइश और ज़िद को अपना फ़र्ज समझकर बड़े सहज भाव से स्वीकार करती थीं वे। उन्होंने ज़िंदगी भर अपने लिए कुछ माँगा नहीं, चाहा नहीं...केवल दिया ही दिया। हम भाई-बहिनों का सारा लगाव (शायद सहानुभूति से उपजा) माँ के साथ था लेकिन निहायत असहाय मजबूरी में लिपटा उनका यह त्याग कभी मेरा आदर्श नहीं बन सका...न उनका त्याग, न उनकी सहिष्णुता। खैर, जो भी हो, अब यह पैतृक-पुराण यहीं समाप्त कर अपने पर लौटती हूँ।

पाँच भाई-बहिनों में सबसे छोटी मैं। सबसे बड़ी बहिन की शादी के समय मैं शायद सात साल की थी और उसकी एक धुँधली-सी याद ही मेरे मन में है, लेकिन अपने से दो साल बड़ी

बहिन सुशीला और मैंने घर के बड़े से आँगन में बचपन के सारे खेल खेले-सतोलिया, लँगड़ी-टाँग, पकड़म-पकड़ाई, काली-टीलो...तो कमरों में गुड्डे-गुड़ियों के ब्याह भी रचाये, पास-पड़ोस की सहेलियों के साथ। यों खेलने को हमने भाइयों के साथ गिल्ली-डंडा भी खेला और पतंग उड़ाने, काँच पीसकर माँजा सूतने का काम भी किया, लेकिन उनकी गतिविधियों का दायरा घर के बाहर ही अधिक रहता था और हमारी सीमा थी घर। हाँ, इतना ज़रूर था कि उस ज़माने में घर की दीवारें घर तक ही समाप्त नहीं हो जाती थीं बल्कि पूरे मोहल्ले तक फैली रहती थीं इसलिए मोहल्ले के किसी भी घर में जाने पर कोई पाबंदी नहीं थी, बल्कि कुछ घर तो परिवार का हिस्सा ही थे। आज तो मुझे बड़ी शिद्दत के साथ यह महसूस होता है कि अपनी ज़िंदगी खुद जीने के इस आधुनिक दबाव ने महानगरों के फ़्लैट में रहने वालों को हमारे इस परंपरागत 'पड़ोस-कल्चर' से विच्छिन्न करके हमें कितना संकुचित, असहाय और असुरक्षित बना दिया है। मेरी कम-से-कम एक दर्जन आरंभिक कहानियों के पात्र इसी मोहल्ले के हैं जहाँ मैंने अपनी किशोरावस्था गुज़ार अपनी युवावस्था का आरंभ किया था। एक-दो को छोड़कर उनमें से कोई भी पात्र मेरे परिवार का नहीं है। बस इनको देखते-सुनते, इनके बीच ही मैं बड़ी हुई थी लेकिन इनकी छाप मेरे मन पर कितनी गहरी थी, इस बात का अहसास तो मुझे कहानियाँ लिखते समय हुआ। इतने वर्षों के अंतराल ने भी उनकी भाव-भँगिमा, भाषा किसी को भी धुँधला नहीं किया था और बिना किसी विशेष प्रयास के बड़े सहज भाव से वे उतरते चले गये थे। उसी समय के दा साहब अपने व्यक्तित्व की अभिव्यक्ति के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ पाते ही 'महाभोज' में इतने वर्षों बाद कैसे एकाएक जीवित हो उठे, यह मेरे अपने लिए भी आश्चर्य का विषय था...एक सुखद आश्चर्य का।

PRACTICE SHEET

1. मन्नू भंडारी के पिताजी कैसे स्वभाव के थे? इसका क्या कारण हो सकता है?
2. लेखिका के बचपन के समाज व आज के समाज में क्या अंतर है?
3. लेखिका को अपनी लेखिकीय उपलब्धियों का ज़िक्र करने में संकोच क्यों होता था?
4. लेखिका की माँ त्याग और धैर्य की पराकष्ठा थी? बताइए।
5. आजकल के पडोस कल्चर के बारे में लेखिका के क्या विचार हैं?

ASSESSMENT SHEET

1. लेखिका अपने ही घर में हीनभावना का शिकार क्यों हो गई?
2. लेखिका अपनी माँ को आदर्श क्यों नहीं बना सकी?
3. समाज-सुधार कार्यों में स्वयंसेवी संस्थाओं की क्या भूमिका है?
4. लेखिका के बचपन के खेलों के बारे में बताइए।

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL) **Medium : EM/HM** **Subject : Hindi**

Lesson Name:एक कहानी यह भी **Topic/Concept : विषय वस्तु** **Worksheet No.:24**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा पाठ्यांश को पढ़कर उसमें आए नये शब्द को जानेंगे। पठन कौशल द्वारा पाठ को पढ़कर समझने में सक्षम होंगे।

अपनी पाठ्य-पुस्तक में "एक कहानी यह भी" पाठ के 4 अनुच्छेद पढ़ें।

उस समय तक हमारे परिवार में लड़की के विवाह के लिए अनिवार्य योग्यता थी- उम्र में सोलह वर्ष और शिक्षा में मैट्रिक। सन् 1944 में सुशीला ने यह योग्यता प्राप्त की और शादी करके कोलकाता चली गयी। दोनों बड़े भाई भी आगे पढ़ाई के लिए बाहर चले गये। इन लोगों की छत्र-छाया के हटते ही पहली बार मुझे नये सिरे से अपने वजूद का एहसास हुआ। पिता जी का ध्यान भी पहली बार मुझ पर केंद्रित हुआ। लड़कियों को जिस उम्र में स्कूली शिक्षा के साथ-साथ सुघड़ गृहिणी और कुशल पाक-शास्त्री बनाने के नुस्खे जुटाये जाते थे, पिता जी का आग्रह रहता था कि मैं रसोई से दूर ही रहूँ। रसोई को वे भटियारखाना कहते थे और उनके हिसाब से वहाँ रहना अपनी क्षमता और प्रतिभा को भट्टी में झोंकना था। घर में आये दिन विभिन्न राजनैतिक पार्टियों के जमावड़े होते थे और जमकर बहसें होती थीं। बहस करना पिता जी का प्रिय शगल था। चाय-पानी या नाश्ता देने जाती तो पिता जी मुझे भी वहीं बैठने को कहते। वे चाहते थे कि मैं भी वहीं बैठूँ, सुनूँ और जानूँ कि देश में चारों ओर क्या कुछ हो रहा है। देश में हो भी तो कितना कुछ रहा था। सन् 1942 के आंदोलन के बाद से तो सारा देश जैसे खौल रहा था, लेकिन विभिन्न राजनैतिक पार्टियों की नीतियाँ, उनके आपसी विरोध या मतभेदों की तो मुझे दूर-दूर तक कोई समझ नहीं थी। हाँ, क्रांतिकारियों और देशभक्त शहीदों के रोमानी आकर्षण, उनकी कुर्बानियों से ज़रूर मन आक्रांत रहता था।

सो दसवीं कक्षा तक आलम यह था कि बिना किसी खास समझ के घर में होने वाली बहसें सुनती थी और बिना चुनाव किये, बिना लेखक की अहमियत से परिचित हुए किताबें पढ़ती थी। लेकिन सन् 1945 में जैसे ही दसवीं पास करके मैं 'फर्स्ट इयर' में आयी, हिंदी की प्राध्यापिका शीला

अग्रवाल से परिचय हुआ। सावित्री गर्ल्स हाई स्कूल...जहाँ मैंने ककहरा सीखा, एक साल पहले ही कॉलिज बना था और वे इसी साल नियुक्त हुई थीं, उन्होंने बाकायदा साहित्य की दुनिया में प्रवेश करवाया। मात्र पढ़ने को,चुनाव करके पढ़ने में बदला...ख़ुद चुन-चुनकर किताबें दीं...पढ़ी हुई किताबों पर बहसें कीं तो दो साल बीतते-न-बीतते साहित्य की दुनिया शरत-प्रेमचंद से बढ़कर जैनेंद्र, अज्ञेय, यशपाल, भगवतीचरण वर्मा तक फैल गयी और फिर तो फैलती ही चली गयी। उस समय जैनेंद्र जी की छोटे-छोटे सरल-सहज वाक्यों वाली शैली ने बहुत आकृष्ट किया था। 'सुनीता' (उपन्यास) बहुत अच्छा लगा था, अज्ञेय जी का उपन्यास 'शेखर : एक जीवनी' पढ़ा ज़रूर पर उस समय वह मेरी समझ के सीमित दायरे में समा नहीं पाया था। कुछ सालों बाद 'नदी के द्वीप' पढ़ा तो उसने मन को इस कदर बाँधा कि उसी झोंक में शेखर को फिर से पढ़ गयी...इस बार कुछ समझ के साथ। यह शायद मूल्यों के मंथन का युग था...पाप-पुण्य, नैतिक-अनैतिक, सही-गलत की बनी-बनायी धारणाओं के आगे प्रश्न चिह्न ही नहीं लग रहे थे, उन्हें ध्वस्त भी किया जा रहा था। इसी संदर्भ में जैनेंद्र का 'त्यागपत्र', भगवती बाबू का 'चित्रलेखा' पढ़ा और शीला अग्रवाल के साथ लंबी-लंबी बहसें करते हुए उस उम्र में जितना समझ सकती थी, समझा।

शीला अग्रवाल ने साहित्य का दायरा ही नहीं बढ़ाया था बल्कि घर की चारदीवारी के बीच बैठकर देश की स्थितियों को जानने-समझने का जो सिलसिला पिता जी ने शुरु किया था, उन्होंने वहाँ से खींचकर उसे भी स्थितियों की सक्रिय भागीदारी में बदल दिया। सन् 1946-47 के दिन...वे स्थितियाँ, उसमें वैसे भी घर में बैठे रहना संभव था भला? प्रभात-फेरियाँ, हड़तालें, जुलूस, भाषण हर शहर का चरित्र था और पूरे दमखम और जोश-खरोश के साथ इन सबसे जुड़ना हर युवा का उन्माद। मैं भी युवा थी और शीला अग्रवाल की जोशीली बातों ने रगों में बहते खून को लावे में बदल दिया था। स्थिति यह हुई कि एक बवंडर शहर में मचा हुआ था और एक घर में। पिता जी की आज़ादी की सीमा यहीं तक थी कि उनकी उपस्थिति में घर में आये लोगों के बीच उठूँ-बैठूँ, जानूँ-समझूँ। हाथ उठा-उठाकर नारे लगाती, हड़तालें करवाती, लड़कों के साथ शहर की सड़कें नापती लड़की को अपनी सारी आधुनिकता के बावजूद बर्दाश्त करना उनके लिए मुश्किल हो रहा था तो किसी की दी हुई आज़ादी के दायरे में चलना मेरे लिए। जब रगों में लहू की जगह लावा बहता हो तो सारे निषेध,सारी वर्जनाएँ सारा भय कैसे ध्वस्त हो जाता है,यह तभी जाना और अपने क्रोध से सबको थरथरा देने वाले पिता जी से टक्कर लेने का जो सिलसिला तब शुरु हुआ था, राजेंद्र से शादी की, तब तक वह चलता ही रहा।

यश-कामना बल्कि कहूँ कि यश-लिप्सा, पिता जी की सबसे बड़ी दुर्बलता थी और उनके जीवन की धुरी था यह सिद्धांत कि व्यक्ति को कुछ विशिष्ट बन कर जीना चाहिए...कुछ ऐसे काम करने चाहिए कि समाज में उसका नाम हो, सम्मान हो, प्रतिष्ठा हो, वर्चस्व हो। इसके चलते ही मैं दो-एक बार उनके कोप से बच गयी थी। एक बार कॉलिज से प्रिंसिपल का पत्र आया कि पिता जी आकर मिलें और बतायें कि मेरी गतिविधियों के कारण मेरे खिलाफ़ अनुशासनात्मक कार्रवाई क्यों न की जाए? पत्र पढ़ते ही पिता जी आग-बबूला। ''यह लड़की मुझे कहीं मुँह दिखाने लायक

नहीं रखेगी...पता नहीं क्या-क्या सुनना पड़ेगा वहाँ जाकर! चार बच्चे पहले भी पढ़े, किसी ने ये दिन नहीं दिखाया।'' गुस्से से भन्नाते हुए ही वे गये थे। लौटकर क्या कहर बरपा होगा, इसका अनुमान था, सो मैं पड़ोस की एक मित्र के यहाँ जाकर बैठ गयी। माँ को कह दिया कि लौटकर बहुत कुछ गुबार निकल जाए, तब बुलाना। लेकिन जब माँ ने आकर कहा कि वे तो खुश ही हैं, चली चल, तो विश्वास नहीं हुआ। गयी तो सही, लेकिन डरते-डरते। ''सारे कॉलिज की लड़कियों पर इतना रौब है तेरा...सारा कॉलिज तुम तीन लड़कियों के इशारे पर चल रहा है? प्रिंसिपल बहुत परेशान थी और बार-बार आग्रह कर रही थी कि मैं तुझे घर बिठा लूँ, क्योंकि वे लोग किसी तरह डरा-धमकाकर, डाँट-डपटकर लड़कियों को क्लासों में भेजते हैं और अगर तुम लोग एक इशारा कर दो कि क्लास छोड़कर बाहर आ जाओ तो सारी लड़कियाँ निकलकर मैदान में जमा होकर नारे लगाने लगती हैं। तुम लोगों के मारे कॉलिज चलाना मुश्किल हो गया है उन लोगों के लिए।'' कहाँ तो जाते समय पिता जी मुँह दिखाने में घबरा रहे थे और कहाँ बड़े गर्व से कहकर आये कि यह तो पूरे देश की पुकार है...इस पर कोई कैसे रोक लगा सकता है भला? बेहद गद्‌गद् स्वर में पिता जी यह सब सुनाते रहे और मैं अवाक्। मुझे न अपनी आँखों पर विश्वास हो रहा था, न अपने कानों पर यह हकीक़त थी।

PRACTICE SHEET

1. पिताजी मन्नू से क्या चाहते थे? बताइए।
2. शीला अग्रवाल का परिचय लेखिका से कब हुआ था?
3. लेखिका ने कौन-कौन से उपन्यास पढ़े थे? सूची बनाइए।
4. लेखिका ने स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भाग कैसे लिया?
5. लेखिका क्यों अवाक् रह गयी?

ASSESSMENT SHEET

1. पिताजी प्रिंसिपल के बुलाने पर कॉलेज नहीं जाना चाहते थे। क्यों?
2. पिताजी के बातें सुनकर लेखिका की क्या प्रतिक्रिया हुई?
3. प्रिंसिपल साहब बहुत परेशान क्यों थे? कारण बताइए।
4. लेखिका ने जो उपन्यास पढ़े, उन उपन्यासों पर उनकी क्या प्रतिक्रिया रही।
5. पिताजी का ध्यान मन्नू के प्रति कब केंद्रित हुआ?
6. 1942 के आंदोलन में देश में क्या-क्या चल रहा था?

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL) **Medium : EM/HM** **Subject : Hindi**

Lesson Name:एक कहानी यह भी **Topic/Concept : विषय वस्तु** **Worksheet No.: 25**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा पाठ्यांश को पढ़कर उसमें आए नये शब्द को जानेंगे। पठन कौशल द्वारा पाठ को पढ़कर समझने में सक्षम होंगे।

अपनी पाठ्य-पुस्तक में "एक कहानी यह भी" पाठ के अनुच्छेद पढ़ें।

एक घटना और। आज़ाद हिंद फ़ौज़ के मुकदमे का सिलसिला था। सभी कॉलिजों, स्कूलों, दुकानों के लिए हड़ताल का आह्वान था। जो-जो नहीं कर रहे थे, छात्रों का एक बहुत बड़ा समूह वहाँ जा-जाकर हड़ताल करवा रहा था। शाम को अजमेर का पूरा विद्यार्थी-वर्ग चौपड़ (मुख्य बाज़ार का चौराहा) पर इकट्ठा हुआ और फिर हुई भाषणबाजी। इस बीच पिता जी के एक निहायत दकियानूसी मित्र ने घर आकर अच्छी तरह पिता जी की लू उतारी, "अरे, उस मन्नू की तो मत मारी गयी है पर भंडारी जी आपको क्या हुआ? ठीक है, आपने लड़कियों को आज़ादी दी, पर देखते आप, जाने कैसे-कैसे उलटे-सीधे लड़कों के साथ हड़तालें करवाती, हुड़दंग मचाती फिर रही है वह। हमारे-आपके घरों की लड़कियों को शोभा देता है यह सब? कोई मान-मर्यादा, इज़्ज़त-आबरू का ख़याल भी रह गया है आपको या नहीं?"

वे तो आग लगाकर चले गये और पिताजी सारे दिन भभकते रहे, "बस, अब यही रह गया है कि लोग घर आकर थू-थू करके चले जाएँ। बंद करो अब इस मन्नू का घर से बाहर निकलना।"

इस सबसे बेखबर मैं रात होने पर घर लौटी तो पिता जी के एक बेहद अंतरंग और अभिन्न मित्र ही नहीं, अजमेर के सबसे प्रतिष्ठित और सम्मानित डॉ. अंबालाल जी बैठे थे। मुझे देखते ही उन्होंने बड़ी गर्मजोशी से स्वागत किया, आओ, आओ मन्नू। मैं तो चौपड़ पर तुम्हारा भाषण सुनते ही सीधा भंडारी जी को बधाई देने चला आया। 'आई एम रिअली प्राउड ऑफ़ यू'...क्या तुम घर में घुसे रहते हो भंडारी जी...घर से निकला भी करो। 'यू हैव मिस्ड समथिंग, और वे धुआँधार तारीफ़ करने लगे वे बोलते जा रहे थे और पिता जी के चेहरे का संतोष धीरे-धीरे गर्व में बदलता जा रहा था। भीतर जाने पर माँ ने दोपहर के गुस्से वाली बात बतायी तो मैंने राहत की साँस ली।

आज पीछे मुड़कर देखती हूँ तो इतना तो समझ में आता ही है क्या तो उस समय मेरी उम्र थी और क्या मेरा भाषण रहा होगा!यह तो डॉक्टर साहब का स्नेह था जो उनके मुँह से प्रशंसा बनकर बह रहा था या यह भी हो सकता है कि आज से पचास साल पहले अजमेर जैसे शहर में चारों ओर से उमड़ती भीड़ के बीच एक लड़की का बिना किसी संकोच और झिझक के यों धुआँधार बोलते चले जाना ही इसके मूल में रहा हो। पर पिता जी! कितनी तरह के अंतर्विरोधों के बीच जीते थे वे। एक ओर 'विशिष्ट' बनने और बनाने की प्रबल लालसा तो दूसरी ओर अपनी सामाजिक छवि के प्रति भी उतनी ही सजगता। पर क्या यह संभव है? क्या पिता जी को इस बात का बिलकुल भी अहसास नहीं था कि इन दोनों का तो रास्ता ही टकराहट का है?

सन् 1947 के मई महीने में शीला अग्रवाल को कॉलिज वालों ने नोटिस थमा दिया-लड़कियों को भड़काने और कॉलिज का अनुशासन बिगाड़ने के आरोप में। इस बात को लेकर हुड़दंग न मचे, इसलिए जुलाई में थर्ड इयर की क्लासेज़ बंद करके हम दो-तीन छात्राओं का प्रवेश निषिद्ध कर दिया।

हुड़दंग तो बाहर रहकर भी इतना मचाया कि कॉलिज वालों को अगस्त में आखिर थर्ड इयर खोलना पड़ा। जीत की खुशी, पर सामने खड़ी बहुत-बहुत बड़ी चिर प्रतीक्षित खुशी के सामने यह खुशी बिला गयी।

शताब्दी की सबसे बड़ी उपलब्धि...15 अगस्त 1947

PRACTICE SHEET

1. 'आज़ाद हिंद फौज़' के बारे में आप क्या जानते हैं?
2. लेखिका के पिताजी किन अंतर विरोहों में रहकर जीवन बिता रहे थे?
3. मन्नू से नाराज़ पिताजी उन्हें देखकर गर्व का अहसास क्यों कर रहे थे?
4. 15 अगस्त 1947 के महत्व के बारे में बताइए।

ASSESSMENT SHEET

1. लेखिका के परिवार के बारे में लिखिए।
2. लेखिका की तारीफ क्यों होने लगी?
3. देश की राजनैतिक गतिविधियों में युवा वर्ग अपना योगदान किस तरह दे रहा था?
4. लेखिका का भाषण सुनकर सभी की प्रतिक्रिया क्या रही?

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL) **Medium : EM/HM** **Subject : Hindi**

Lesson Name:एक कहानी यह भी **Topic/Concept : अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया** **Worksheet No.: 26**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र भाव समझकर अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया के उत्तर देंगे। अभ्यास के उत्तर अपने शब्दों में लिखेंगे।

अपनी पुस्तक में ''एक कहानी यह भी'' पाठ में अर्थग्राह्यता प्रतिक्रिया अभ्यास पढ़ें।

PRACTICE SHEET

I. पाठ पढ़िए। अभ्यास कार्य कीजिए।

1. 'एक कहानी यह भी' पाठ की लेखिका के बारे में बताइए।
2. लेखिका की अपने पिताजी से वैचारिक टकराहट को अपने शब्दों में प्रकट कीजिए।
3. लेखिका ने अपने बचपन के बारे में क्या कहा?

II. निम्नलिखित पंक्तियों की व्याख्या पाठ के आधार पर कीजिए।

1. परंपरागत पडोस कल्चर की एक अच्छाई और बुराई के बारे में मन्नू जी के क्या विचार थे?
2. मुझ न अपनी आँखों पर विश्वास हो रहा था न अपने कानों पर।
3. जीत की खुशी, पर सामने खड़ी बहुत-बहुत बड़ी, चिर प्रतीक्षित खुशी के सामने यह खुशी बिला गयी।
4. बस, अब यही रह गया है कि लोग घर आकर थू-थू करके चले जाएँ। बंद करो। अब इस मन्नू का घर से बाहर निकलना।

ASSESSMENT SHEET

I. इस गद्यांश को पढ़कर पाँच प्रश्न बनाइए।

गीता फोगाट एक भारतीय महिला फ्री स्टाइल पहलवान है, जिन्होंने पहली बार भारत के लिए राष्ट्र मंडल खेलों में स्वर्णपदक जीता था। गीता ने 2010 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्णपदक जीतकर देश का नाम रोशन किया था। साथ ही गीता पहली भारतीय महिला पहलवान है, जिन्होंने ओलम्पिक में क्वालीफाई किया। आज भी हमारे देश में केवल बेटों की चाह रखनेवालों की कमी नही है। शुरुआत में कुछ ऐसी ही सोच गीता के माता-पिता को भी थी। लेकिन बाद में गीता के पिता महावीर सिंह फोगट जी को अहसास हुआ कि बेटियाँ बेटों से कम नहीं होती और वे अपनी बेटियों को पहलवान बनाने में एक जुट हो गए। गाँव के लोग लड़कियों को स्कूल जाने तक की छूट न देते थे। गाँव में हंगामा मच गया। सब तरफ उनकी ओलोचना होने लगी, फिर भी फोगट जी ने आलोचना की परवाह न करते हुए गीता को प्रशिक्षण दिया।

1.
2.
3.
4.
5.

II. मन्नू के पिता की कौन-कौन सी विशेषताएँ अनुकरणीय हैं?

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL)	**Medium : EM/HM**	**Subject : Hindi**
Lesson Name:एक कहानी यह भी	**Topic/Concept : लिखो**	**Worksheet No.: 27**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र पाठ के अभ्यास को सरलता से अपने शब्दों में लिखेंगे। पढ़ी गयी सामग्री को समझकर उत्तर लिखेंगे।

अपनी पुस्तक में ''एक कहानी यह भी'' पाठ के अभिव्यक्ति सृजनात्मकता का अभ्यास देखें।

PRACTICE SHEET

I. इन प्रश्नों के उत्तर पाँच छह पंक्तियों में लिखिए।

1. लेखिका के व्यक्तित्व पर किन किन व्यक्तियों का प्रभाव पड़ा?
2. किन बातों के कारण लेखिका को न अपनी आँखों पर विश्वास हो पाया है और न अपने कानों पर?
3. ''आज़ाद हिंदी फौज़'' के मुकदमें के सिलसिले में विद्यालयों में कैसे कार्यक्रम आयोजित किये गये?

II. इन प्रश्नों के उत्तर दस बारह पंक्तियों में लिखिए।

1. ब्रिटिश शासन में भारतवासियों के साथ कैसा व्यवहार किया जाता था? अपने शब्दों में लिखिए।
2. लेखिका के संघर्षमय जीवन से हमें क्या संदेश मिलता है?
3. समाज में शिक्षा का महत्व पूर्ण स्थान है। आर.टी.ई. 2009 के मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए प्रशंसनीय बातें बताइए।

ASSESSMENT SHEET

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच-छह पंक्तियों में लिखिए।

1. लेखिका को अपने वजूद का अहसास कब हुआ?

2. मन्नू की ऐसी कौनसी खुशी थी जो 15 अगस्त 1947 की खुशी में समाकर रह गई?

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दस बारह पंक्तियों में लिखिए।

1. स्वाधीनता आंदोलन के परिदृश्य का चित्रण करते हुए मन्नूजी की भूमिका को रेखांकित कीजिए।
2. शीला अग्रवाल जैसी प्राध्यापिका किसी भी विद्यार्थी के जीवन को संवार सकती है? कैसे?
3. निम्नसंकेतों के आधार पर मन्नूभंडारी का चरित्र चित्रण कीजिए।

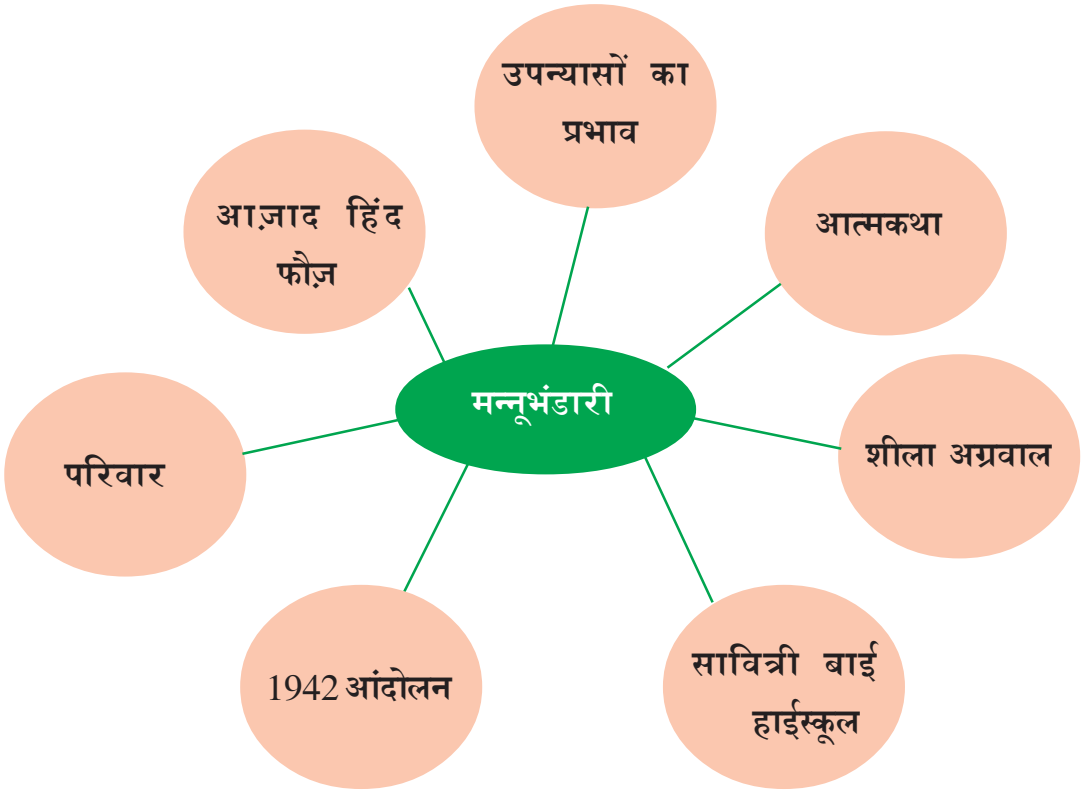

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL) **Medium : EM/HM** **Subject : Hindi**

Lesson Name:एक कहानी यह भी **Topic/Concept : सृजनात्मकता अभिव्यक्ति** **Worksheet No.:28**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र कल्पनाशीलता और सृजनशीलता को विभिन्न प्रकार से लिखेंगे। विधा का ज्ञान रखते हुए एक विधा से दूसरी विधा में लिखेंगे।

अपनी पुस्तक में ''एक कहानी यह भी'' के अभ्यास देखें।

PRACTICE SHEET

I. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लिखिए।

1. अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य पर आपको संयुक्त राष्ट्र संघ में भाषण देने का मौका मिलेगा तो आपका भाषण क्या होगा? इस पर एक भाषण लेख लिखिए।

ASSESSMENT SHEET

1. आधुनिक समाज में नारी की भूमिका विषय पर एक निबंध लिखिए।

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL) **Medium : EM/HM** **Subject : Hindi**

Lesson Name:एक कहानी यह भी **Topic/Concept : भाषा की बात** **Worksheet No.:29**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र पर्यायवाची, मुहावरे, युग्म शब्दों को समझेंगे। संदर्भानुसार भाषा की बारिकियों तथा नये शब्दों के प्रयोग को समझकर लिखेंगे।

अपनी पुस्तक में ''एक कहानी यह भी'' पाठ के शब्द भंडार का अभ्यास पढ़ें।

PRACTICE SHEET

नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर सूचना के अनुसार दीजिए।

1. यश, धैर्य, सीमा, इशारा (वाक्य प्रयोग कर पर्यायवाची शब्द लिखिए।)
2. बेहद, क्रोधित, सहनशक्ति, गर्मजोश (वाक्य प्रयोग कर शब्दार्थ लिखिए।)
3. लू उतारना, आग लगाना (मुहावरों का अर्थ लिखिए।)
4. ताने-बाने, मान-मर्यादा। (युग्म शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए।)
5. प्रतिष्ठा, व्यक्तित्व, पैतृक (तद्भव रूप लिखिए।)

ASSESSMENT SHEET

1. पौराणिक, सम्मानित, दलीय (प्रत्यय पहचानकर लिखिए।)
2. धन-दौलत, खेल-कूद, हँसी मज़ाक (युग्म शब्दों का वाक्य प्रयोग कीजिए।)
3. अरब महाद्वीप में छोटे-छोटे टापू हैं। (इस वाक्य में आए पुनरूक्ति शब्द को पहचानकर लिखिए।)
4. छात्र पढ़ रहा है। (वचन बदलकर लिखिए।)
5. प्रबल, अनुरूप, सुपरिचित (उपसर्ग पहचानकर लिखिए।)
6. किरण, कृपा (शब्द के पर्याय लिखिए।)

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL)	**Medium : EM/HM**	**Subject : Hindi**
Lesson Name:एक कहानी यह भी	**Topic/Concept : व्याकरणांश**	**Worksheet No.: 30**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र भाषा संबंधी भाषिक संरचना को समझकर उत्तर देंगे। संधि, समास, विशेषण, भिन्नार्थी आदि को समझकर उत्तर लिखेंगे।

अपनी पुस्तक में ''एक कहानी यह भी'' पाठ के भाषा की बात का अभ्यास देखें।

PRACTICE SHEET

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर सूचना के अनुसार दीजिए।

1. महत्वाकांक्षा, किशोरावस्था, दुर्बल (विच्छेद कर संधि पहचानिए।)
2. पोथी-पुराण, चौराहा, चार दिवारी (विग्रह समास पहचानिए।)

II. निम्नलिखित अनेकार्थी शब्दों को ऐसे वाक्यों में प्रयुक्त कीजिए जिनमें एकाधिक अर्थ स्पष्ट हो। पाठ में आये भिन्नार्थी शब्दों में से पाँच शब्द चुनकर लिखिए।

जैसे - आम

1. आम मीठा फल है।
2. आम जनता देश की स्वतंत्रता के लिए आगे बढ़ी।

III. नीचे दिए गए गद्यांश में से विशेषण शब्द चुनकर लिखिए।

पाँच भाई-बहिनों में सबसे छोटी मैं। सबसे बड़ी बहन की शादी के समय मैं शायद सात साल की थी और एक धुंधली सी याद ही मेरे मन में है, लेकिन अपने से दो साल बड़ी बहन सुशील और मैंने घर के बड़े से आँगन में बचपन के सारे खेल खेल- सतोलिया, लंगडी टांग, पकड़म-पकड़ाई, काली टोलो- तो कमरों में गुड्डे गुडियों के व्याह भी रचाये, पास पड़ोसी की सहेलियों के साथ।

IV. अर्थ की दृष्टि से वाक्य पहचानिए और दिए गए उदाहरणों के अनुसार दो दो वाक्य बनाइए।

1. वह काम कर रहा था।
2. तुम काम पर जाओ।
3. तुम काम पर मत जाओ।

ASSESSMENT SHEET

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सूचना के अनुसार दीजिए।

1. लॉकडाउन में बाहर घूमना मना है। (अर्थ की दृष्टि से वाक्य का प्रकार पहचानिए।)

2. मनोभाव, तल्लीन (शब्दों का संधि विच्छेद कीजिए।)

4. आँखे फाड़ कर देखना, डूबते को तिनका का सहारा (मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य प्रयोग कीजिए।)

5. नाम बड़े दर्शन छोटे (लोकोक्ति का अर्थ लिखकर वाक्य प्रयोग कीजिए।)

6. लेखिका इंदौर गयी थी। (भविष्य काल में बदलिए।)

CLASS - X

हिंदी (प्रथम भाषा) (HINDI FIRST LANGUAGE)

Name of The Lesson : 4. कवित्त

Total No. of Teaching Periods : 10

Total No. of Worksheets : 10

Learning Outcomes : सीखने की संप्राप्तियाँ

- बच्चे उन्मुखीकरण गीत के बारे में बातचीत करेंगे।
- भाषा की विभिन्न विधाओं के बारे में चर्चा करेंगे।
- कविता सृजन में आगे बढ़ने की प्रेरणा प्राप्त करेंगे।
- कवि पद्माकर के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।
- कविता के माध्यम से प्रकृति के सौंदर्यबोध को समझेंगे।
- कविता के भाव को समझ कर अपने शब्दों में बोलेंगे और लिखेंगे।
- ऋतु वर्णन के बारे में बोलेंगे।
- कविता की पंक्तियों को उचित क्रम में लिखेंगे।
- पद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखेंगे।
- कविता की पंक्तियों की संदर्भ सहित व्याख्या लिखेंगे।
- वसंत ऋतु की सुंदरता के बारे में लिखेंगे।
- भाषा की बात के अंतर्गत पर्याय, वचन, लिंग पहचानेंगे और वाक्य प्रयोग करेंगे।
- अनुप्रास अलंकार के बारे में विस्तृत जानकारी हासिल करेंगे।

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL)	**Medium : EM/HM**	**Subject : Hindi**
Lesson Name: कवित्त	**Topic/Concept : उन्मुखीकरण**	**Worksheet No.: 31**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र उन्मुखीकरण गीत के बारे में बातचीत करेंगे और प्रकृति संबंधी एक कविता के बारे में स्वयं जानकारी प्राप्त करेंगे।

छात्र अपनी पुस्तक में "कवित्त" पाठ का उन्मुखीकरण पढ़ें।

उन्मुखीकरण

प्रकृति तेरी अजब कृति,
नित नयी तेरी आकृति।
खनिज तत्वों का भंडार,
तुझ पर निर्भर यह संसार।
तुझमें माँ की ममता है,
तुझमें अजब क्षमता है।

– शशिकांत निशांत शर्मा 'साहिल'

PRACTICE SHEET

1. प्रकृति किसका भंडार है?
2. संसार किस पर निर्भर है?
3. प्रकृति वर्णन में क्या-क्या बताया गया है?
4. प्रकृति के प्रति हमारे क्या कर्तव्य है?
5. प्रकृति की तुलना किससे की गयी है?

ASSESSMENT SHEET

नीचे दी गयी कविता पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

मत काटो तुम ये पेड़, हैं ये लज्जा वसन
इस माँ वसुँधरा के,
इस संहार के बाद
अशोक-की तरह सचमुच, तुम बहुत पछताओगे
बोलो फिर किसकी गोद में, सिर छिपाओगे
शीतल छाया कहाँ से पाओगे?
कहाँ पाओगे फिर जल?
कहाँ से मिलेगा शस्य-श्यामला को सींचने वाला जल?

1. पेड़ों को धरती का लज्जा वसन क्यों कहा गया है?
2. सम्राट अशोक ने पश्चाताप क्यों किया था?
3. पेड़ हमें क्या-क्या देते हैं?
4. काव्यांश में कौन-सा संदेश निहित है?
5. शस्य-श्यामला से क्या तात्पर्य है?

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL) **Medium : EM/HM** **Subject : Hindi**

Lesson Name: कवित्त **Topic/Concept : विषय वस्तु** **Worksheet No.: 32**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र पाठ के उद्देश्य एवं विधा-विशेष संबंधी जानकारी प्राप्त करेंगे और कविता के अन्य रूपों के बारे में जानेंगे। कविता द्वारा प्राप्त आनंद और उल्लास से परिचित होंगे।

छात्र अपनी पुस्तक में 'कवित्त' पाठ के उद्देश्य, विधा-विशेष, लेखक परिचय, विषय प्रवेश को देखें।

उद्देश्य

- भाषा अनेक विधाओं में व्यक्त की जाती है। उसी तरह काव्य रचना की भी विविध शैलियाँ हैं।
- प्राचीन काल में दोहा, चौपाई, सोरठा, सवैया, रोला, कवित्त, पहेलियाँ आदि के रूप में काव्य सृजन हुआ है। सौंदर्यानुभूति का विकास करना, कविता के भाव और रस ग्रहण करने में छात्रों की सहायता करना और कविता सृजन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देना इस पाठ का उद्देश्य है ।

विधा विशेष

- कवित्त दृश्य-योजना और शब्द-योजना के लिए अत्यंत प्रसिद्ध है। इसमें स्वच्छ और उदात्त कल्पना है। कवि की कृति आनंद और उल्लास के वर्णन प्रसंगों में ख़ूब रमी है। इसमें ''कवित्त छंद'' है।

PRACTICE SHEET

1. काव्य रचना की विविध शैलियाँ क्या-क्या हैं?
2. इस पाठ का मुख्य उद्देश्य क्या है?
3. कवित्त किसके लिए प्रसिद्ध है?
4. इसमें कौन-सा छंद है?

ASSESSMENT SHEET

1. भाषा की विभिन्न विधाएँ क्या-क्या हैं?
2. कविता का मुख्य उद्देश्य क्या होता है?
3. भाषा प्रयोग की किसी एक विधा का नाम लिखिए।

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL) **Medium : EM/HM** **Subject : Hindi**

Lesson Name:कवित्त **Topic/Concept : विषय वस्तु** **Worksheet No.: 33**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र कवि पद्माकर के बारे में जानेंगे और रीतिकाल के कवियों की विशेषता पर उनकी रचना शैली पर ध्यान देंगे, विषय-प्रवेश के बारे में जानेंगे, पाठ का रागयुक्त गायन करेंगे।

अपनी पुस्तक में 'कवित्त' पाठ का कवि-परिचय और विषय-प्रवेश पढ़ें।

कवि परिचय

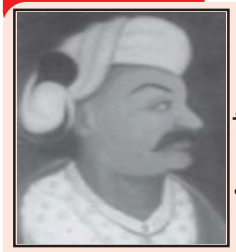

रीतिकाल के कवियों में पद्माकर का नाम मूर्धन्य है। वे बाँदा, उत्तर प्रदेश के निवासी थे। उनके परिवार का वातावरण कवित्वमय था। उनके पिता मोहनलाल भट्ट अच्छे विद्वान और कवि थे। उनके साथ-साथ परिवार के अन्य सदस्य भी कवि थे। अतः उनके वंश का नाम 'कवीश्वर' पड़ गया। उन्हें कवित्व के संस्कार पैतृक रूप में प्राप्त थे । उनकी कवित्व प्रतिभा को देखकर बूँदी के महाराज ने बहुत मान-सम्मान दिया और जयपुर के नरेश ने उन्हें 'कविराज शिरोमणि' की उपाधि दी। उनकी रचनाओं में हिम्मत बहादुर विरुदावली, पद्माभरण, जगद्विनोद, रामरसायन, गंगा लहरी आदि प्रमुख हैं।

विषय प्रवेश : मनुष्य सामाजिक प्राणी है। समाज पृथ्वी पर विकसित है और पृथ्वी प्रकृति पर। हमारे जीवन में इस सृष्टि की अपूर्व देन प्रकृति है। इसकी प्रशस्ति वेदों,उपनिषदों व प्राचीन ग्रंथों में तरह-तरह से की गयी है। इसी भाव को कवियों ने अपनी-अपनी शैलियों में सृजन किया है। इस तरह कवि पद्माकर के इस कवित्त में प्रकृति का सौंदर्यबोध होता है।

PRACTICE SHEET

1. पद्माकर के बारे में आप क्या जानते हैं?
2. मनुष्य को सामाजिक प्राणी कहा गया है। क्यों?
3. कवित्त कविता पाठ का संबंध किससे है?
4. पद्माकर जी को 'कविराज शिरोमणि' की उपाधि किसने दी?

ASSESSMENT SHEET

1. पद्माकर के बारे में अतिरिक्त जानकारी इकट्ठा कीजिए।
2. रीतिकालीन कवियों की क्या विशेषता होती है?
3. रीतिकाल के कुछ कवियों के नाम लिखिए।
4. हमारे जीवन में प्रकृति सृष्टि की अपूर्व देन है। कैसे?
5. कविता का रागयुक्त गायन कीजिए।

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL) **Medium : EM/HM** **Subject : Hindi**

Lesson Name:कवित्त **Topic/Concept : विषय वस्तु** **Worksheet No.:34**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा पाठ को समझेंगे, पाठ के अंतर्गत प्रश्नों के उत्तर देंगे और पूरे पाठ के बारे में चर्चा करेंगे और पाठ के सारांश को अपने शब्दों में व्यक्त करके उसका भरपूर आनंद उठाएँगे।

अपनी पुस्तक में "कवित्त" पाठ का पहला पद्यांश पढ़ें।

औरे भाँति कुँजन में गुंजरत भीर भौंर,
औरे डौर झौरन पैं, बौरन के ह्वै गये।
कहैं पद्माकर सु औरे भाँति गलियानि,
छलिया छबीले छैल और छबि छ्वै गये।
औरै भाँति बिहग-समाज में आवाज होति,
ऐसे रितुराज के न आज दिन द्वै गये।
औरै रस औरै रीति औरै राग औरै रंग,
औरै तन औरै मन औरै बन ह्वै गये।।

PRACTICE SHEET

1. भौंरों का दल कहाँ विचर रहा है और क्यों?
2. ऋतुराज किसे कहा गया है?
3. 'औरे भाँति कुँजन में गुंजरत भीर भौंर' इस पंक्ति से क्या तात्पर्य है?
4. समस्त समाज में किसकी आवाज़ होती है?
5. वसंत ऋतु के बारे में आप क्या जानते हैं?

ASSESSMENT SHEET

1. पक्षी समाज में वसंत ऋतु को लेकर कैसी खुशियाँ देखने को मिलती हैं?
2. कवि ने प्रकृति वर्णन के दौरान तन, मन के मुग्ध होने की बात क्यों की होगी?
3. हमारे जीवन में वसंत का क्या महत्व है?
4. कवि पद्माकर ने पहले पद में अपनी भावनाओं को किस तरह प्रकट किया है? अपने शब्दों में लिखिए।

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL) **Medium : EM/HM** **Subject : Hindi**

Lesson Name:कवित्त **Topic/Concept : विषय वस्तु** **Worksheet No.: 35**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा पाठ को समझेंगे, पाठ के अंतर्गत प्रश्नों के उत्तर देंगे और पूरे पाठ के बारे में चर्चा करेंगे और पाठ के सारांश को अपने शब्दों में व्यक्त करके उसका भरपूर आनंद उठाएंगे।

अपनी पुस्तक में "कवित्त" पाठ का दूसरा पद्यांश पढ़ें।

भौंरन को गुंजन बिहार बन कुंजन में
मंजुल मलारन को गावनो लगत है।
कहैं पद्माकर गुमानहूँ तें मानहूँ तैं,
प्रानहूँ तैं प्यारो मनभावनो लगत है।
मोरन को सोर घनघोर चहुँ ओरन,
हिंडोरन को बृंद छवि छावनो लगत है।
नेह सरसावन में मेह बरसावन में,
सावन में झूलिबो सुहावनो लगत है।।

PRACTICE SHEET

1. मोर का नृत्य कैसा लगता है?
2. इस पद्यांश में किसका वर्णन किया गया है?
3. सावन में झूला झूलने का क्या महत्व होता है?
4. सावन को देखकर पक्षी अपनी प्रतिक्रिया कैसे व्यक्त करते हैं?

ASSESSMENT SHEET

1. सावन आने पर मोर क्यों नाचता है?
2. सावन में मेघों की क्या विशेषता होती हैं?
3. सावन को मनभावन क्यों कहा गया है?
4. इस पद्यांश को भाव अपने शब्दों में लिखिए।
5. हमारे जीवन में वर्षा ऋतु का क्या महत्व है?

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL) **Medium : EM/HM** **Subject : Hindi**

Lesson Name:कवित्त **Topic/Concept : अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया** **Worksheet No.: 36**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र अध्यापक द्वारा पूछे गये प्रश्नों के उत्तर अपनी सोच व पाठ के आधार पर मौखिक रूप से बताएगा। कविता को पढ़कर पंक्तियों को सही करेगा, संदर्भ सहित व्याख्या करेगा और अपठित कविता पढ़कर प्रश्नों के उत्तर देगा।

PRACTICE SHEET

1. हमारे जीवन में ऋतुओं का क्या महत्व होता है?
2. अधिकतर कवि ऋतु का वर्णन करते समय भौंरे का उदाहरण अवश्य लेते हैं। क्यों?
3. पाठ के आधार पर पंक्तियाँ सही कीजिए।
   - कुँजन में औरे भाँति भौंर गुंजरत भीर
   - छबीले छलिया छैल छबि और गये छवै
   - मलारन मंजुल लगत गावनो है को
   - बरसावन मेह में नेह सरसावन में
4. पाठ्य-पुस्तक से अभ्यास के अंतर्गत (इ) पद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
5. इन पंक्तियों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।
   - औरे भाँति कुँजन .....छवै गये।
   - कहैं पद्माकर ..... लगत है।

ASSESSMENT SHEET

1. 'ऋतु वर्णन की बात आती है तो प्रकृति का एक बड़ा योगदान इसमें होता है।' अपने विचार बताइए।
2. कविता पढ़कर पंक्तियाँ सही कीजिए और क्रम में लिखिए।
   - मैं कहैं पद्माकर ते मानहूँ गुमानँहू
   - छवि छावने लगत है हिंडोरन को बृंद
   - प्रानहूँ प्यारो तैं लगत है मनभावनो
   - को सोर घनघोर चहूँ ओरन को मोरन
4. पद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

   विषुवत रेखा का वामी जो
   जीता है नित हाँफ - हाँफ कर
   रखता है अनुराग अलौकिक
   वह भी अपनी मातृभूमि पर।
   ध्रुववासी जो हिम में तम में
   जी लेता है काँ-काँ कर
   वह भी अपनी मातृभूमि पर - कर देता है प्राण-निछावर।
   तुम तो हे प्रिय बंधु स्वर्ग-सी
   सुकद सकल विभवों की आकर
   धरा शिरोमणि मातृभूमि में -धन्य हुए हो जीवन पाकर।

प्रश्नः

1. भारतवासी के जीवन को कवि ने धन्य क्यों कहा है?
2. विषुवत रेखा का वासी हाँफ-हाँफ कर क्यों जीता है?
3. अपनी मातृभूमि पर कौन अपने प्राण निछावर करता है?
4. भारत भूमि को धरा शिरोमाणि क्यों कहा गया है?

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL)	**Medium : EM/HM**	**Subject : Hindi**
Lesson Name: कवित्त	**Topic/Concept : लिखो**	**Worksheet No.: 37**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र प्रश्नों के उत्तर स्वरचना के आधार पर सोच समझकर लिखेंगे, अपने विचारों को साझा करेंगे।

PRACTICE SHEET

1. कवि ने वसंत ऋतु का वर्णन किन किन उदाहरणों से किया है? आप इसी ऋतु का वर्णन किन उदाहरणों के द्वारा करना चाहेंगे?
2. सावन को मनभावन क्यों कहा गया है? उदाहरण सहित सिद्ध कीजिए।
3. पद्माकर जी के साहित्य पर प्रकाश डालिए।

ASSESSMENT SHEET

1. 'कवित्त कविता प्रकृति का सौंदर्यबोध कराती है।' अपने विचार लिखिए।
2. 'वसंत ऋतु में विशेष कर पक्षी अपनी खुशी को अलग-अलग तरह से प्रकट करते हैं।' कवित्त कविता के आधार पर लिखिए।
3. वसंत को ऋतुराज क्यों कहा गया हैं?
4. सृष्टि की अपूर्व देन प्रकृति है। 'कवित्त' के आधार पर सिद्ध कीजिए।

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL) **Medium : EM/HM** **Subject : Hindi**

Lesson Name: कवित्त **Topic/Concept : सृजनात्मकता अभिव्यक्ति** **Worksheet No.:38**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र सृजनात्मक प्रश्नों के उत्तर सृजन करके लिखेंगे, अपने विचारों को साझा करेंगे।

PRACTICE SHEET

1. ऋतुएँ प्रकृति की शोभा बढ़ाती है। अपनी मनपसंद ऋतु का वर्णन करते हुए एक छोटी सी कविता का सृजन कीजिए।
2. सुंदर, मधुर शब्द चयन व अलंकार भाषा की शोभा में चार चाँद लगाते हैं। पद्माकर के कवित्त के आधर पर स्पष्ट कीजिए।
3. पद्माकर ऋतु वर्णन में श्रेष्ठ कवि माने जाते हैं। उनकी श्रेष्ठता पर अपने विचार लिखिए।

ASSESSMENT SHEET

1. प्रकृति से जुड़े कुछ नारों का सृजन कीजिए।
2. अपनी मनपसंद ऋतु पर निबंध लिखिए।

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL)	**Medium : EM/HM**	**Subject : Hindi**
Lesson Name:कवित्त	**Topic/Concept : भाषा की बात**	**Worksheet No.:39**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र पर्यायवाची, वचन, लिंग संबंधी शब्दों की पहचान करेंगे और वाक्य प्रयोग करेंगे। शब्दों को शब्दकोष क्रम में लिखेंगे। प्रत्यय, समासिक शब्दों को जानेंगे।

PRACTICE SHEET

1. मलारन, मेह, कुँजन, मनभावन शब्दों के पर्यायवाची लिखकर वाक्य प्रयोग कीजिए।
2. भौंरा, मोर - वचन बदलकर लिखिए।
3. भौंरा, छवि - कर्म शब्दों के लिंग पहचानकर वाक्य प्रयोग कीजिए।
4. महत्वपूर्ण, मिलनसार - प्रत्यय पहचानिए।
5. मनभावन, गुणभरा - विग्रह करके समास पहचानिए।
6. भीर, भाँति, भौंरन, भावन - शब्द कोश क्रम में लिखिए।

ASSESSMENT SHEET

1. नीचे दिये गये शब्दों के वचन बदलकर लिखिए।
   (1) लघुकथा, चपाती, कर्मचारी
   (2) दादाजी के <u>बाल</u> सफ़ेद हैं। रेखांकित शब्द का वचन बताइए।
2. रेखांकित शब्दों के लिंग पहचानिए।
   (1) <u>समय</u> बदलते देर नहीं लगती।
   (2) बालिका <u>खिड़की</u> से देख रही थी।
   रेखांकित शब्दों के लिंग पहचानिए।

3. **निम्न मुहावरों का अर्थ लिखिए।**

   (1) **ताक में रहना**

   (2) **हथियार डाल देना**

4. **पर्यायवाची शब्द लिखिए।**

   लहर

   निर्मल

   वन

   उद्यान

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL)	**Medium : EM/HM**	**Subject : Hindi**
Lesson Name:कवित्त	**Topic/Concept : व्याकरणांश**	**Worksheet No.: 40**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र अंलकार के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।

PRACTICE SHEET

1. अनुप्रास अलंकार की परिभाषा लिखिए।
2. अनुप्रास अलंकार के दो उदाहरण लिखिए।

ASSESSMENT SHEET

1. अलंकार का शाब्दिक अर्थ क्या है? अलंकार कितने प्रकार के होते हैं? वे क्या हैं?
2. कबिरा सेहि पीर है, जो जाने पर पीर।

   जो पर पीर न जानई, सो काफिर बेपीर।

   उपरोक्त दोहा में अलंकार पहचानिए।
3. म, क, च वर्णों की आवृत्ति से बनने वाले अनुप्रास अलंकारों के लिए उदाहरण लिखिए।

CLASS - X

हिंदी (प्रथम भाषा) (HINDI FIRST LANGUAGE)

Name of The Lesson : 5. गोभी का फूल

Total No. of Teaching Periods : 10

Total No. of Worksheets : 10

Learning Outcomes : सीखने की संप्राप्तियाँ

- प्रस्तावना प्रसंग से संबंधित बातचीत करेंगे।
- हास्य के बारे में बातचीत करेंगे।
- सब्जियों की विशेषताओं के बारे में जानेंगे।
- पाठ में आए नये शब्दों के अर्थ जानकर लिखेंगे।
- अर्थग्राह्यता प्रतिक्रिया के प्रश्न लिखेंगे।
- पाठ्यांश को पढ़कर उत्तर देंगे।
- संकेतों के आधार पर मनोरेखा चित्रण द्वारा उत्तर लिखेंगे।
- भाषा की बात, भाषिक संरचना को समझकर उत्तर देंगे।
- संदर्भानुसार भाषा की बारिकियों को समझकर उत्तर देंगे।

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL)	**Medium : EM/HM**	**Subject : Hindi**
Lesson Name: गोभी का फूल	**Topic/Concept : उन्मुखीकरण**	**Worksheet No.: 41**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र प्रस्तावना प्रसंग पर बातचीत करेंगे। पाठ के अन्य चित्रों पर भी बातचीत करेंगे। मौखिक भाषा का विकास होगा।

छात्र अपनी पुस्तक में "गोभी का फूल" पाठ का प्रस्तावना प्रसंग पढ़ें।

उन्मुखीकरण

कद्दूजी की चली बारात,
हुई बताशों की बरसात।।
बैंगन की गाड़ी के ऊपर
बैठे कद्दू राजा,
शलजम और प्याज ने मिलकर
खूब बजाया बाजा।
मेथी, पालक, भिंडी, तोरी
टिंडा, मूली, गाजर,
बने बाराती नाच रहे थे,
आलू, मटर, टमाटर।।

PRACTICE SHEET

1. कद्दू जी की बारात में कौन-कौन थे?
2. बारात में कौन-कौन नाच रहे थे?
3. उपर्युक्त कविता के लिए उचित शीर्षक दीजिए।

ASSESSMENT SHEET

1. आपको कौन-कौन से सब्जियाँ पसंद हैं?
2. उपर्युक्त पंक्तियों में आये सब्ज़ियों के नाम बताइए।
3. यदि आपने कभी बताशा खाया है तो बताइए की उनका स्वाद कैसा होता है?

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL) **Medium : EM/HM** **Subject : Hindi**

Lesson Name: गोभी का फूल **Topic/Concept : विषय वस्तु** **Worksheet No.: 42**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र कहानी विधा, लेखक तथा पाठ के विषय प्रवेश को समझ कर उत्तर देंगे।

छात्र अपनी पुस्तक में 'गोभी का फूल' पाठ का उद्देश्य, विधा-विशेष, लेखक परिचय, विषय प्रवेश देखें।

उद्देश्य

भाषा की विविध शैलियों में हास्य-व्यंग्य रचनाओं का भी महत्वपूर्ण स्थान है। छात्रों को भाषा की हास्य-व्यंग्य शैली से परिचित कराते हुए उनमें हास्य कहानी लेखन की प्रेरणा देना इस पाठ का मुख्य उद्देश्य है।

विधा विशेष

कहानी रचना लेखन की एक कला है। कहानी ऐसी रचना है जिसमें जीवन की किसी अंग की या किसी घटना को आधार बनाकर उसकी प्रस्तुति की जाती है। प्रस्तुत पाठ हास्य व्यंग्य पर आधारित है। हास्य एक ऐसा सागर है, जहाँ सारे दुखों व कड़ुवे अनुभवों से उलझनों का बोझ हलका किया जा सकता है। इसमें प्रसंगों का,घटनाओं का व चेष्टाओं का सजीव चित्रण है। इस कहानी में हास्य रसात्मक शब्दों व प्रसंगों का सुंदर प्रयोग है।

लेखक परिचय

केशवचंद वर्मा का जन्म सन् 23 दिसंबर 1925 को हुआ। उन्होंने हिंदी साहित्य में अधिकतर व्यंग्य रचनाएँ लिखी। लोमड़ी का माँस, प्यासा और बेपानी के लोग, बृहन्नला का व्यक्तित्व, गधे की बात आदि इनकी प्रमुख रचनाएँ हैं।

विषय प्रवेश : *हास्य एक ऐसा सागर है जहाँ सारे दुखों, कड़ुवे अनुभव, सारी उलझनें डुबोकर मन का बोझ हलका किया जा सकता है। यह पाठ हास्य भरा पाठ है। गोभी का फूल लानेवाला व्यक्ति किन स्थितियों से गुज़रता है और अंत में कैसे अपने ही शहर से महंगी गोभी ख़रीद कर देता है। इस बीच की उलझनों और दुखों को कैसे झेलता है? आइए, पढ़ते हैं इस पाठ में...*

PRACTICE SHEET

1. 'गोभी का फूल' पाठ का मुख्य उद्देश्य क्या है?
2. कहानी विधा कैसी होती है?
3. केशव चंद्र वर्मा की रचनाओं का नाम लिखिए।
4. आपको कहानी क्यों अच्छी लगती है?

ASSESSMENT SHEET

1. हास्य व्यंग्य कहानी से क्या प्राप्त होता है?
2. कहानी विधा में किन किन चीज़ों का सजीव चित्रण होना चाहिए?
3. केशवचंद्र वर्मा का परिचय अपने शब्दों में लिखिए।

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL) **Medium : EM/HM** **Subject : Hindi**

Lesson Name:गोभी का फूल **Topic/Concept : विषय वस्तु** **Worksheet No.: 43**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र पाठ्यांश में आये नये शब्दों को जानेंगे। पठन कौशल द्वारा पाठ को पढ़कर, समझकर उत्तर देने में सक्षम बनेंगे।

अपनी पुस्तक में 'गोभी का फूल' पाठ के 3 अनुच्छेद पढ़ें।

आप तो बाबू हनुमानप्रासाद को नहीं जानते होंगे परंतु बाज़ार में सभी कुंजड़े उन्हें अच्छी तरह पहचानते हैं। घर की साग-सब्ज़ी वे ही बाज़ार से रोज़ खरीदकर ले जाते हैं। हरे धनिए की गड्डी पैसे-पैसे या दो पैसे की तीन लेना, शलजम को पत्ते तुड़वाकर तुलवाने का आग्रह करना, आलू छाँट-छाँटकर चढ़वाना, सड़ा कुम्हड़ा दूसरे दिन कटा हुआ वापस कराना और अरबी धुलवाकर, मिट्टी हटाकर लेना आदि अनेक ऐसी बातें हैं जिनके कारण सब्ज़ीमंडी का हर कुंजड़ा उन्हें पहचानता है। सब कुंजड़े उन्हें देखकर 'आइए बाबू जी' का नारा लगाते हैं किंतु मन से कोई नहीं चाहता कि वे उसकी दुकान पर ही उस दिन के बाज़ार का व्रत तोड़ें क्योंकि बहुत देर तक उसे हिसाब लगाना पड़ता है कि सौदे के बाद घाटे में आख़िर कौन रहा।

हनुमानप्रसाद जी को हरी सब्ज़ी का मर्ज़ है। सारे संसार में यदि किसी वस्तु को वे आदि कारण मानते हैं, तो वह है- 'हरी सब्ज़ी'। किसी भी विषय पर आप उनसे बात चलाएँ, अंत में इसी विश्वास के साथ उठेंगे कि हर समस्या का हल हरी सब्ज़ी में छिपा पड़ा है। किस सब्ज़ी में कितने विटामिन होते हैं, कितना लोहा, कितना चूना, कितना कत्था, कितनी लकड़ी, कितना ईंटा, कितना गारा वगैरह होता है- इसका जैसा विशद ज्ञान उनको है, वैसा किसी पोस्ट मास्टर को अब तक निकले हुए डाक-टिकटों के बारे में भी न होगा। हनुमानप्रसाद जी को ताजमहल का 'रिप्लिका' भेंट कीजिए, तो वे बुरा मान सकते हैं परंतु इसके बजाए यदि आप उन्हें एक झाबा सोया-मेथी का साग भेंट कर दें, तो आप उनके सुहृद मित्र माने जा सकते हैं। किसी को कहीं बाहर आते-जाते देखते हैं, तो मौसमी तरकारी की फ़रमाइश वे ज़रूर कर देते हैं।

शामत के मारे मुँह से उस दिन निकल पड़ा कि मैं लखनऊ जा रहा हूँ। छूटते ही बाबू हनुमानप्रसाद बोले, ''अरे भई वर्मा साहब! आप लखनऊ जा रहे हैं तो हमारे लिए चार फूलगोभी लेते आइएगा। अभी यहाँ गोभी का अच्छा फूल मिलता नहीं। सुना है, लखनऊ में दो-दो आने में अच्छे फूल मिल जाते हैं।''

PRACTICE SHEET

1. बाबू हनुमान प्रसाद किस तरह सब्जी खरीदते थे?
2. हरी सब्जी की विशेषता क्या होती है?
3. बाबू हनुमान प्रसाद के सब्जी ज्ञान पर टिप्पणी कीजिए।
4. आदि कारण से क्या अभिप्राय है?
5. पाठ्यांश में आये पुनरुक्ति शब्द पहचानकर लिखिए।

ASSESSMENT SHEET

1. बाबू हनुमान प्रसाद के स्वभाव पर अपने विचार बताइए।
2. ''हनुमान प्रसाद जी को ताजमहल का रिप्लिका भेंट कीजिए, तो वे बुरा मान सकते हैं।'' इस पंक्ति से लेखक का आशय क्या हो सकता है?
3. सब्जियाँ खरीदते समय क्या-क्या सावधानियाँ बरतनी चाहिए?
4. पाठ्यांश में आये युग्म शब्द पहचानकर लिखिए।

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL) **Medium : EM/HM** **Subject : Hindi**

Lesson Name:गोभी का फूल **Topic/Concept : विषय वस्तु** **Worksheet No.:44**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा पाठ्यांश में आये नये शब्दों को जानेंगे। पठन कौशल द्वारा पाठ को पढ़कर, समझकर उत्तर देने में सक्षम बनेंगे।

अपनी पुस्तक में 'गोभी का फूल' पाठ के 4 अनुच्छेद पढ़ें।

मैंने 'हाँ' या 'ना' कहा हो, इसके पहले ही उन्होंने अठन्नी मेरे हाथ में रख दी और मुझे अकेले में ले जाकर बोले, ''देखिए वर्मा जी, पता नहीं आपने कभी साग-सब़्जी खरीदी है कि नहीं। फूल ज़रा गठा हुआ लीजिएगा। बिख़रा हुआ फूल ज़ल्दी ख़राब हो जाता है और देखिए, अकसर उस पर झाँई पड़ जाती है, यह न रहे। बहुत-से गोभीवाले पत्ते निकाल लेते हैं, वे पत्ते न निकालने पाएँ। पूरी गोभी लीजिएगा। जो कैलोरी होती है पत्तों में, वह फूल में तो होती ही नहीं। पत्तों के डंठल का अचार बहुत अच्छा होता है। उसकी सब़्जी तो आपने खायी ही न होगी। लौटकर आइए, तो खिलाऊँ। ज़रा-सी मद्धिम आँच पर पावभर पानी में उबालकर नमक-मिर्च डालकर खाइए तो देखिए, लाल-लाल कल्ले निकल आएँगे।''

वे हर किसी सब़्जी के बारे में बहुत-कुछ कह सकते थे। मैं इसलिए चुप था। वे साँस लेकर फिर बोले, ''अच्छा सुनिए, फूल में कभी-कभी छोटे-छोटे कीड़े लग जाते हैं- उसे ज़रा झड़वाकर लीजिएगा। पानी में भीगा हुआ फूल न लीजिएगा। बड़ी जल्दी ख़राब हो जाता है। अच्छे गोभी के फूल में, कच्चे हो तो भी, विटामिन डी, ए, बी काफ़ी रहता है।''

मैंने उन्हें याद दिलाया कि यदि मैं गोभी के फूल का पूरा महात्म्य सुनकर गया तो गाड़ी छूटेगी नौकरी छूटेगी और गोभी का फूल भी छूट जाएगा। सब पर संकट की बात सुनकर हनुमानप्रसाद ने मुझे छोड़ दिया।

हज़रतगंज, सिनेमा, नुमाइश, कॉफ़ी हाउस - सब कुछ छोड़कर मैं लखनऊ की तरकारी मंडी में घुसा। तरकारीवाले तीन आने के नीचे उतरने को तैयार न थे परंतु मुझे दो-दो आने वाले ही फूल चाहिए थे - पूरे पत्तेवाले, जिनके डंठल का अचार बन सकें, जिनको खाने से लाल-लाल कल्ले निकल आएँ। लौटने का वक्त हो आया। मंडीवाले ने दो आने पर उतरने के लिए हामी न भरी। हारकर तीन-तीन आने के भाव से गोभी के फूल खरीदे। चार फूल उनके वास्ते लिए और सोचा, अगर ये इतने नायाब हैं, तो दो-चार अपने लिए भी ले लूँ।

प्लेटफ़ार्म पर हाथ में एक अदद खूबसूरत अटैची के साथ एक झाबा गोभी के फूल लेकर सफ़र करने वाला मैं अपने ढंग का अकेला ही मुसाफ़िर दिखाई पड़ रहा था। टिकट चेकर दो बार पास से गुज़रा। मुझसे नहीं, पर कुली से पूछ गया कि सामान बुक करवा लिया है या नहीं। दो-एक परिचित चेहरे दिखाई पड़े। बोले, ''कहिए दावत कब है?'' संजीदगी से जवाब देता हुआ मैं प्लेटफ़ॉर्म पर बढ़ती हुई भीड़ और अपने गोभी के झाबे को देख रहा था। कुली चढ़ाने का आश्वासन दे रहा था। पर एक रुपया इनाम चाहता था। मैं चाहता था कि गाड़ी आ जाने पर 'हाँ' या 'ना' करूँ।

PRACTICE SHEET

1. हनुमान प्रसाद जी ने गोभी के फूल के सेवन के क्या-क्या लाभ बताये?
2. लेखक ने हनुमान प्रसाद जी को क्या याद दिलाया?

ASSESSMENT SHEET

1. लेखक लखनऊ में तरकारी मंडी में कैसे पहुँचे और उन्होंने गोभी की खरीदारी कैसे की?
2. आपके विचार में टिकट चेकर ने सामान बुक करवा लेने के लिए क्यों कहा होगा?
3. निम्नलिखित संकेतों के आधार पर गोभी का फूल कैसा होना चाहिए? लिखिए।

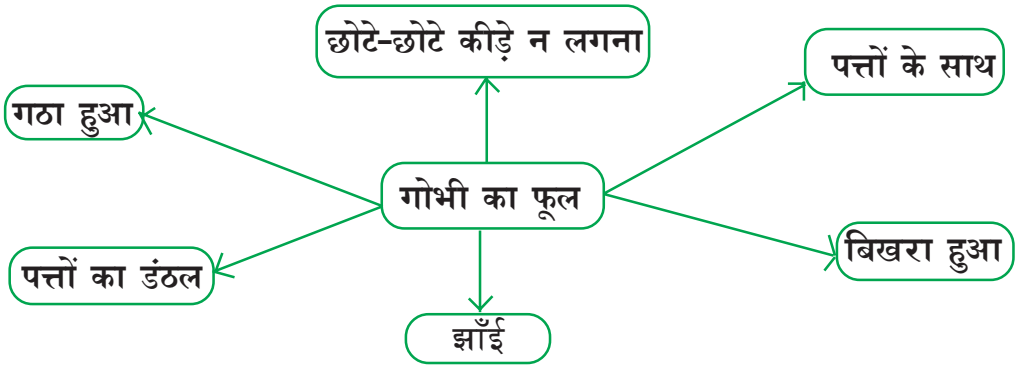

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL) **Medium : EM/HM** **Subject : Hindi**

Lesson Name:गोभी का फूल **Topic/Concept : विषय वस्तु** **Worksheet No.: 45**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा पाठ्यांश में आये नये शब्दों को जानेंगे। पठन कौशल द्वारा पाठ को पढ़कर, समझकर उत्तर देने में सक्षम बनेंगे।

अपनी पुस्तक में 'गोभी का फूल' पाठ के 5 अनुच्छेद पढ़ें।

गाड़ी आई। ठसाठस भरी हुई मेल। मारामारी का दृश्य। गाड़ीवालों और बेगाड़ीवालों का वर्ग संघर्ष। अंततः दृश्य में कुछ शांति आई। धीरे-धीरे लोग पानी लेने के लिए डिब्बे से बाहर निकले। मेरे कुली ने 'अब न चूक चौहान' की तरह मुझे ललकारा। मैं भीतर घुसने लगा। भीतरवाले मुझे दूसरे डिब्बे में खाली जगह के बारे में अतिरिक्त जानकारी के साथ रेलवे के सारे क़ानून एक साथ समझाने को तुल गए पर 'हया' नामक वस्तु मैं प्लेटफ़ार्म पर छोड़कर ही डिब्बे के भीतर घुसा था। भीतर घुसते ही गोभी के फूलों की चिंता हुई। झाबा पूरा भीतर नहीं आ सका था। गोभी के फूल धीरे-धीरे करके भीतर आ रहे थे। आख़िरी किस्त में दो फूल प्लेटफ़ार्म से खिसककर डिब्बे के नीचे रेल की पटरी पर पहुँच गए। झाबा भीतर लेने के बाद मैं कुली पर बिगड़ने लगा। कुली इनाम माँगने पर अड़ा हुआ था और मैं गिरी हुई गोभी के दाम लेने पर। तू-तू मैं-मैं बढ़ने लगी। दोनों अपनी-अपनी भाषा में एक-दूसरे को ऊँच-नीच कह रहे थे। अंत में समस्या का शांतिपूर्ण हल निकला - अर्थात् मैंने चार की जगह छह आने में छुट्टी पाई।

दूसरे के सामान को लोष्ठवत् देखने के लिए अपनी परंपरा में बहुत दिनों से आग्रह है। गाड़ी के भीतर, जब तक उठा ले जाने का मौक़ा न हो, हर आदमी दूसरे का सामान ठीक इसी तरह देखता है। एक स्वर कहता था। ''साहब! उधर ले जाएँ न।'' दूसरा बोला, ''बैंच के नीचे कर दीजिए, बैंच के।'' तीसरा ऊपर ले जाने का सुझाव देता। अगर जगह होती तो डिब्बे के सभी लोगों का सुझाव एक के बाद एक पूरा कर देता। सुझाव बहुतेरे आए पर कोई भी अपनी जगह से तिलभर भी हिलने के लिए तैयार न था इसलिए निःशस्त्रीकरण की तरह गोभी के फूलों की भी समस्या ज्यों-की-त्यों बनी रही। गोभी के फूलों का झाबा वहीं नीचे पड़ा रहा। स्टेशनों पर गाड़ी रुकती रही और

लोग उसमें सबके मना करने पर भी उसी तरह घुसते रहे, जिस तरह मैं घुसा था। मेरा अकेला स्वर डिब्बा खुलते ही मुझे सुनाई पड़ता था, ''बचाइएगा, देखिएगा! हैं... हैं..., इधर नहीं! इधर गोभी है, गोभी! अरे साहब! यह बंडल उधर डालिए! इधर गोभी है! अरे ट्रंक उधर ले जाओ जी...!''

पर जब आदमी 'जनता' हो जाता है, तो कौन किसकी सुनता है। सो मेरी भी किसी ने न सुनी।

जब तक इलाहाबाद स्टेशन न आ गया, मैं अपने गोभी के झाबे को जी भर देख भी नहीं पाया। गोभी के गठे हुए पत्तेदार फूल जनता की इतनी लातें खा चुके थे कि हारे हुए उम्मीदवार की तरह उन्हें पहचानना कठिन हो रहा था।

इतने हमलों के बाद भी कितने विटामिन उनमें शेष बचे हैं, यह मैं उन्हें बाबू हनुमानप्रसाद तक पहुँचाकर मालूम करना चाहता था पर हिम्मत नहीं पड़ी। यहीं के बाज़ार से पाँच-पाँच आने के फूल खरीदकर, 'लखनऊ के' कहकर उन्हें दे आया हूँ और उसके बदले में लखनऊ में मिलने वाली सस्ती तरकारी पर उनका एक सारगर्भित भाषण सुनकर अभी लौटा हूँ।

– केशव चंद वर्मा

PRACTICE SHEET

1. **हद से ज्यादा सावधानी बरतना कहाँ तक उचित है? अपने विचार व्यक्त कीजिए।**
2. **''अब न चूक चौहान'' वाले प्रसंग के बारे में बताइए।**
3. **गोभी का झावा कैसे बिखर गया था?**
4. **अठन्नी, रसोईघर, प्रतिदिन दोपहर – समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए।**

ASSESSMENT SHEET

1. **'हया नामक वस्तु मैं प्लेटफार्म पर ही छोडकर डिब्बे के भीतर घुसा था।' इसका भाव क्या है?**
2. **लेखक और कुली के बीच 'तू तू', 'मैं मैं' क्यों बढ़ी? कारण बताइए।**
3. **इलाहाबाद स्टेशन जाने के बाद लेखक ने क्या किया?**
4. (1) **घर-घर** (2) **अच्छे-अच्छे** (3) **सूखी-सूखी** (4) **भीगी-भीगी – पुनरुक्ति शब्दों से वाक्य प्रयोग कीजिए।**

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL) **Medium : EM/HM** **Subject : Hindi**

Lesson Name:गोभी का फूल **Topic/Concept : अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया** **Worksheet No.: 46**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र पाठ पढ़कर उसका भाव समझेंगे। पाठ पढ़कर, समझकर अर्थग्राह्यता के प्रश्नों के उत्तर लिखेंगे। अभ्यास लिखेंगे।

PRACTICE SHEET

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. रेलगाड़ी में लेखक को किस प्रकार के अनुभवों का सामना करना पड़ा?
2. बाबू हनुमान प्रसाद जैसे किसी व्यक्ति का सामना हुआ तो आप क्या करेंगे?

II. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव पाठ के आधार पर लिखिए।

1. ''पर आदमी जब 'जनता' हो जाता है।''
2. ''कोई नहीं चाहता कि वे उसकी दुकान पर ही उस दिन के बाज़ार का व्रत तोड़े।''

III. हरी सब्ज़ी से प्राप्त होने वाले पोषक तत्वों पर एक तालिका बनाइए।

IV. 'गोभी का फूल' पाठ में आप को कौनसा प्रसंग अच्छा लगा? क्यों?

ASSESSMENT SHEET

I. नीचे दिया गया गद्यांश पढ़िये। पाँच प्रश्न बनाइए।

सभी पौधे बढ़कर बड़े एवं फलदायक वृक्ष नहीं बनते हैं। केवल चिकने पत्ते वाले पौधे ही बड़े वृक्ष बन पाते हैं। इस प्रकार जो मनुष्य महान बनने वाले होते हैं, उनके गुण छोटी अवस्था में ही प्रकट होने लगते हैं, जिससे उनके होनहार होने का अनुमान होता है। इसीलिए कहा गया है कि 'होनहार बिखान के होत चिकने पात।'

1.

2.

3.

4.

5.

II. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव लिखिए। (पाठ के आधार पर)

1. ''सौदे के बाद घाटे में आखिर कौन रहा।''

2. मेरे कुली ने 'अब न चूक चौहान' की तरह मुझे ललकारा।

III. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. लेखक को गाड़ी में बैठने के लिए किन-किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा?

2. लखनऊ में तरकारी मंडी जाने के लिए लेखक को क्या-क्या छोड़ना पडा?

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL)	**Medium : EM/HM**	**Subject : Hindi**
Lesson Name: गोभी का फूल	**Topic/Concept : लिखो**	**Worksheet No.: 47**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र प्रश्नों के उत्तर स्वरचना के आधार पर सोच समझकर लिखेंगे, अपने विचारों को साझा करेंगे।

PRACTICE SHEET

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच-छह पंक्तियों में लिखिए।

1. लेखक के द्वारा लाये गये गोभी के फूलों की तुलना हारे हुए उम्मीदवार से क्यों की गयी है?

2. लेखक की जगह आप होते तो अपने मित्र की इच्छा कैसे पूरी करते?

3. ताज़ा साग-सब्ज़ियों से होने वाले लाभ बताइए।

II. नीचे दिये गये प्रश्न का उत्तर दस-बारह पंक्तियों में लिखिए।

1. ''लखनऊ में मिलनेवाली सस्ती तरकारी पर उनका सार गर्भित भाषण सुनकर अभी लौटा हूँ।'' इस पंक्ति से लेखक का आशय स्पष्ट कीजिए।

ASSESSMENT SHEET

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच-छह पंक्तियों में लिखिए।

1. गाड़ी के डिब्बे में लेखक को किन स्थितियों से गुजरना पड़ा?

2. ''अपने ही शहर से गोभी खरीद कर, लखनऊ के कहकर उन्हें दे आया हूँ।'' आखिर लेखक ने ऐसा क्यों किया होगा?

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL) **Medium : EM/HM** **Subject : Hindi**

Lesson Name: गोभी का फूल **Topic/Concept : सृजनात्मकता अभिव्यक्ति** **Worksheet No.:48**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र अपनी कल्पनाशक्ति का परिचय देते हुए सृजनात्मक अभिव्यक्ति को विविध रूपों में व्यक्त करेंगे। विधाओं का ज्ञान रखते हुए एक विधा को दूसरी विधा में परिवर्तित कर लिखेंगे।

PRACTICE SHEET

1. 'गोभी का फूल' पाठ में लेखक और कुली के बीच हुई बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए।

ASSESSMENT SHEET

1. घर के आँगन में साग सब्ज़ियाँ उगाना किस तरह लाभदायी है? बताते हुए अपनी बहन के नाम एक पत्र लिखिए।

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL)	**Medium : EM/HM**	**Subject : Hindi**
Lesson Name: गोभी का फूल	**Topic/Concept :** भाषा की बात	**Worksheet No.:49**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र अपने भाषाई कौशलों का विकास करेंगे। वचन, लिंग, पर्याय, विलोम आदि के ज्ञान को विस्तृत करते हुए अभ्यास लिखेंगे।

PRACTICE SHEET

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सूचना के अनुसार दीजिए।

1. उम्मीदवार, मुसाफ़िर शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए।

2. पाँच-पाँच, धीरे-धीरे पुनरुक्ति शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

3. मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

   1) तू-तू, मैं-मैं करना:

   2) हामी भरना :

4. अब न चूक चौहान - कहावत का अर्थ लिखिए। वाक्य में प्रयोग कीजिए।

5. ऊँची दूकान फीका पकवान : कहावत का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए।

ASSESSMENT SHEET

1. फूल, घर शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए।
2. पुनरुक्ति शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए।
   (1) टुकड़े-टुकड़े
   (2) मीठी-मीठी
3. औरत आयी। रेल के डिब्बे में सामान रखकर चली गयी।
   (रेखांकित शब्द का लिंग बदलकर वाक्य फिर से लिखिए।)

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL)	**Medium : EM/HM**	**Subject : Hindi**
Lesson Name: गोभी का फूल	**Topic/Concept :** व्याकरणांश	**Worksheet No.: 50**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र शब्द भेद, वाक्य के प्रकार, संधि, समास आदि के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे तथा लिखेंगे। भाषा की बारीकियों और भाषिक संरचना को समझकर लिखेंगे।

PRACTICE SHEET

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सूचना के अनुसार लिखिए।

1. निम्नलिखित शब्दों का समास पहचानकर लिखिए।

   (1) हरी सब्ज़ी

   (2) नमक-मिर्च

   (3) निःशस्त्रीकरण

2. निम्नलिखित शब्दों का संधि विच्छेद कर संधि पहचानकर लिखिए।

   (1) नीरस -

   (2) महौषधि -

3. निम्नलिखित वाक्यों को कर्तृवाच्य में बदलकर लिखिए।

   (1) गायक द्वारा गीत गाये जाते हैं।

   (2) मोहन से पत्र लिखा जाता है।

4. अर्थ के अनुसार वाक्य भेद पहचानिए।

   (1) ''वहाँ मत जाना। यहाँ आओ।''

   (2) ''शायद आज पानी बरसें।''

5. उचित कारक चिह्नों से खाली जगह भरिए।

   अजय ..... लाठी ..... कुत्ते .....मारा।

ASSESSMENT SHEET

1. संधि विच्छेद कीजिए।

   (1) नायिका

   (2) भोजनालय

2. अर्थ के अनुसार वाक्य भेद पहचानिए।

   (1) वह लड़का सुंदर है।

   (2) आप अपना काम कीजिए।

3. उचित कारक चिह्नों से खाली जगह भरिए।

   (1) राजा ..... ब्राह्मणों ..... भोजन कराया।

   (2) बड़ों ..... आदर देना और छोटों .....प्यार करना सीखो।

4. रचना के अनुसार वाक्य भेद पहचानिए।

   अच्छे बच्चों को सभी प्यार करते हैं।

CLASS - X

हिंदी (प्रथम भाषा) (HINDI FIRST LANGUAGE)

Name of The Lesson : 6. राम–लक्ष्मण–परशुराम संवाद

Total No. of Teaching Periods : 10

Total No. of Worksheets : 10

Learning Outcomes : सीखने की संप्राप्तियाँ

- प्रस्तावना प्रसंग से संबंधित बातचीत करेंगे।
- भक्ति के बारे में बातचीत करेंगे।
- पाठ में आए नये शब्दों के अर्थ, पर्याय, भाव आदि जानकर लिखेंगे।
- पाठ्यांश पढ़कर उत्तर देंगे।
- संवाद लेखन करेंगे।
- विनय, साहस, क्रोध आदि भावों को जानकर कवितांश से संबंधित उत्तर देंगे।
- मुहावरे, लिंग, विलोम, अर्थ आदि से संबंधित अभ्यास करेंगे।
- संकेतों के आधार पर मनोरेखा चित्रण द्वारा उत्तर लिखेंगे।
- पाठ से संबंधित सृजनात्मक अभिव्यक्ति को अपने शब्दों में लिखेंगे।
- भाषा की बात, भाषिक संरचना को समझ कर अभ्यासों के उत्तर देंगे।

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL) **Medium : EM/HM** **Subject : Hindi**

Lesson Name: राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद Topic/Concept : उन्मुखीकरण Worksheet No.: 51

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र प्रस्तावना प्रसंग पर बातचीत करेंगे। पाठ के अन्य चित्रों पर भी बातचीत करेंगे। मौखिक भाषा का विकास होगा।

छात्र अपनी पुस्तक में ''राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद'' पाठ का प्रस्तावना प्रसंग पढ़ें।

उन्मुखीकरण

'संस्कृति' मानव जाति एवं मानवता का कल्याण चाहती है। जिससे मनुष्य का चरित्र उभरता है। संस्कृति का एक अंग 'साहित्य' भी है। जिसमें मानवीय संस्कृति, आदर्श व सामाजिक घटनाएँ प्रतिबिंबित होती हैं ।

PRACTICE SHEET

1. संस्कृति से क्या आशय है?
2. चरित्र निर्माण में संस्कृति की क्या भूमिका है?
3. प्रत्येक मनुष्य को आदर्शवादी क्यों बनना चाहिए?
4. किन आदर्शों के द्वारा चरित्र निर्माण होता है?

ASSESSMENT SHEET

1. संस्कृति साहित्य के साथ कैसे जुड़ती है?

2. भारतीय संस्कृति की विशिष्टता के बारे में आप क्या जानते हैं? बताइए।

3. संस्कृति किसका कल्याण चाहती है?

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL) **Medium : EM/HM** **Subject : Hindi**

Lesson Name: राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद **Topic/Concept :** विषय वस्तु **Worksheet No.: 52**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र कविता विधा, कवि परिचय, विधा विशेष, उद्देश्य तथा कविता के विषय प्रवेश को समझ कर उत्तर देंगे।

छात्र अपनी पुस्तक में 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' पाठ के उद्देश्य, विधा-विशेष, लेखक परिचय, विषय प्रवेश को देखें।

उद्देश्य

विद्यार्थियों में काव्य के प्रति रूचि उत्पन्न करना, अन्य कवियों की रचनाओं से तुलना करने की क्षमता का विकास करना, अलंकारों का परिचय कराना, तथा उसके आधार पर काव्य सृजन की प्रेरणा देना इस पाठ का उद्देश्य है।

विधा विशेष

- यह चरित्र प्रधान कविता है। इसकी शैली 'चौपाई' है।
- तुलसी से पहले सूफ़ी कवियों ने भी अवधी भाषा में दोहा,चौपाई छंद का प्रयोग किया था, जिसमें मलिक मुहम्मद जायसी द्वारा रचित 'पद्मावत' काव्य उल्लेखनीय है।

कवि परिचय

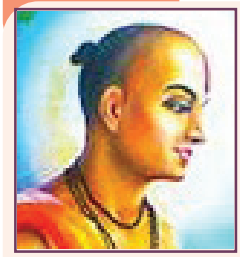

तुलसीदास जी का जन्म उत्तर प्रदेश के बाँदा ज़िले के राजापुर नामक गाँव में सन् 1532 में हुआ था। रामभक्ति परंपरा में तुलसी अतुलनीय हैं। 'रामचरितमानस' काव्य कवि की अनन्य रामभक्ति और उनके सृजनात्मक कौशल का मनोरम उदाहरण है। रामचरितमानस के अलावा कवितावली, गीतावली, दोहावली, विनय पत्रिका, बरवै रामायण, पार्वती मंगल, जानकी मंगल, हनुमान बाहुक आदि उनकी प्रमुख रचनाएँ हैं। अवधी और ब्रज दोनों भाषाओं पर उनका समान अधिकार था। सन् 1623 में काशी में उनका देहावसान हुआ।

विषय प्रवेश : प्रस्तुत अंश 'रामचरितमानस' के बालकांड से लिया गया है। इस प्रसंग की यह विशेषता है कि- लक्ष्मण की वीर रस से पूर्ण व्यंग्योक्तियाँ और व्यंजना शैली की सरस अभिव्यक्ति हुई है।

PRACTICE SHEET

1. इस पाठ का उद्देश्य क्या है?
2. इस कविता की शैली क्या है?
3. जायसी ने अवधी भाषा का प्रयोग किस काव्य में किया था?
4. तुलसीदास रामभक्ति परंपरा में अतुलनीय क्यों थे?
5. तुलसीदास जी की रचनाएँ किन भाषाओं में हैं?

ASSESSMENT SHEET

1. तुलसीदास जी रचनाओं के बारे में लिखिए।
2. इस कविता का अंश किस कांड से लिया गया है?
3. इस प्रसंग की रोचकता क्या है?
4. तुलसी के अलावा अन्य कवियों के नाम लिखिए।
5. रामायण के बारे में आप क्या जानते हैं?

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL) **Medium : EM/HM** **Subject : Hindi**

Lesson Name: राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद **Topic/Concept :** विषय वस्तु **Worksheet No.: 53**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र पाठ्यांश में आये नये शब्दों को जानेंगे। पठन कौशल द्वारा पाठ को पढ़कर, समझकर उत्तर देने में सक्षम बनेंगे।

अपनी पुस्तक में 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' कविता की 6 पंक्तियाँ पढ़ें।

नाथ संभुधनु भंजनिहारा। होइहि केउ एक दास तुम्हारा।।
आयेसु काह कहिअ किन मोही। सुनि रिसाइ बोले मुनि कोही।।

सेवकु सो जो करै सेवकाई। अरिकरनी करि करिअ लराई।।
सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा। सहसबाहु सम सो रिपु मोरा।।

सो बिलगाउ बिहाइ समाजा। न त मारे जैहहिं सब राजा।।
सुनि मुनिबचन लखन मुसुकाने। बोले परसुधरहि अवमाने।।

PRACTICE SHEET

1. यह कवितांश किस रचना से लिया गया है?
2. सभा में परशुराम ने क्या पूछा?
3. 'सेवक का काम है सेवा करना।' परशुराम जी ने ऐसा क्यों कहा होगा?
4. लक्ष्मण क्यों मुस्कराए?
5. "बिलगाऊ" शब्द का अर्थ लिखिए।
6. शिवधनुष तोड़े जाने का कारण क्या था?

ASSESSMENT SHEET

1. इस कविता के कवि कौन हैं?
2. सभा में कौन-कौन भयभीत हुए?
3. रामचंद्र जी ने मुनि से क्या कहा था?
4. शिवधनुष के टूटने पर परशुराम जी क्यों क्रोधित हुए?

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL) **Medium : EM/HM** **Subject : Hindi**

Lesson Name: राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद Topic/Concept : विषय वस्तु Worksheet No.:54

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र कवितांश में आये नये शब्दों को जानेंगे। पठन कौशल द्वारा पाठ को पढ़कर, समझकर उत्तर देने में सक्षम बनेंगे।

अपनी पुस्तक में राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' कविता की 6 पंक्तियाँ पढ़ें।

बहु धनुही तोरी लरिकाईं। कबहुँ न असि रिस कीन्हि गोसाईं।।
येहि धनु पर ममता केहि हेतू। सुनि रिसाइ कह भृगुकुलकेतू।।

रे नृपबालक कालबस बोलत तोहि न सँभार।
धनुही सम त्रिपुरारिधनु बिदित सकल संसार।।

लखन कहा हसि हमरे जाना। सुनहु देव सब धनुष समाना।।
का छति लाभु जून धनु तोरें। देखा राम नयन के भोरें।।

PRACTICE SHEET

1. **शिवधनुष के टूटने पर कौन क्रोधित हुए?**
2. **मुनि के बातों को सुनकर लक्ष्मण की क्या प्रतिक्रिया रही?**
3. **शिवधनुष की तुलना दूसरे धनुषों से न करने की बात क्यों कही गयी?**
4. **नृपबालक, बिदित शब्दों का अर्थ लिखकर वाक्य प्रयोग कीजिए।**

ASSESSMENT SHEET

1. परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण ने धनुष के टूट जाने के लिए कौन-कौन से तर्क दिये?
2. 'राजकुमार तुम्हारी मृत्यु बुला रही है' - मुनि ने ऐसा क्यों कहा होगा?
3. श्री रामचंद्र जी ने मुनि को क्या प्रत्युत्तर दिया?

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL) **Medium : EM/HM** **Subject : Hindi**

Lesson Name: राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद Topic/Concept : विषय वस्तु Worksheet No.: 55

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र पाठ में आये नये शब्दों को जानेंगे। पठन कौशल द्वारा कविता को पढ़कर, समझकर उत्तर देने में सक्षम बनेंगे।

अपनी पुस्तक में राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' कविता की 6 पंक्तियाँ पढ़ें।

छुअत टूट रघुपतिहु न दोसू। मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू।।
बोले चितै परसु की ओरा। रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा।।

बालकु बोलि बधौं नहि तोही। केवल मुनि जड़ जानहि मोही।।
बाल ब्रह्मचारी अति कोही। बिस्वबिदित क्षत्रियकुल द्रोही।।

भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्ही। बिपुल बार महिदेवन्ह दीन्ही।।
सहसबाहुभुज छेदनिहारा। परसु बिलोकु महीपकुमारा।।

PRACTICE SHEET

1. इस कविता का अंश किस काव्य से लिया गया है?
2. राम, लक्ष्मण, परशुराम के स्वभाव के बारे में लिखिए।

ASSESSMENT SHEET

1. परशुराम जी की कुल्हाड़ी की क्या विशेषता है?
2. कविता में वीर योद्धा के क्या लक्षण बताये गये?
3. अपने मित्र के स्वभाव की विशेषताएँ लिखिए।

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL) **Medium : EM/HM** **Subject : Hindi**

Lesson Name: राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद **Topic/Concept :** अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया

Worksheet No.: 56

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र पढ़कर, भाव समझकर, अर्थग्राह्यता प्रतिक्रिया के अभ्यासों के उत्तर देंगे। अभ्यासों के उत्तर अपने शब्दों में लिखेंगे।

PRACTICE SHEET

I. भाव स्पष्ट कीजिए।

1. नाथ संभुधनु भंजनिहारा। होइहि केउ एक दास तुम्हारा।।
   आयेसु काह कहिअ किन मोही। सुनि रिसाई बोले मुनि कोही।।
2. लखन कहा हसि हमरे जाना। सुनहु देव सब धनुष समाना।
   का छति लाभु जून धनु तोरें। देखा राम नयन के भोरें।।
3. भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्ही। बिपुल बार महिदेवन्ह दीन्ही।
   सहसबाहुभुज छेदनिहारा। परसु बिलोकु महीपकुमारा।।

II. इस पाठ्यांश में आपको कौनसा पात्र अच्छा लगा? क्यों?

ASSESSMENT SHEET

I. नीचे दिए गए गद्यांश पढ़कर पाँच प्रश्न बनाइए।

क्रोध वस्तुतः मन की एक विकारपूर्ण अवस्था है, जो शरीर पर एवं स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है। कौन नहीं जानता कि क्रोधी व्यक्ति प्रायः चिड़े-चिड़े स्वभाव वाले, क्षीण, दुर्बल, रोगग्रस्त व्यक्ति होते हैं। हम यह कह सकते हैं कि क्रोध एक रोग कारक मनोविकार है, जहाँ क्रोध है, वहाँ रोग, विकार अथवा अस्वास्थ्य है। अतः क्रोध एक ऐसा मनोविकार है, जिसे हम लोक व्यवहार की भाषा में एक रोग या मन की बीमारी भी कह सकते हैं।

II. धनुष पुराना व जीर्ण क्यों था? इस कविता के आधार पर बताइए।

III. परशुराम जी ने सभा से क्या कहा था?

IV. रामचंद्र जी ने धनुष के टूटने पर क्या कहा?

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL) **Medium : EM/HM** **Subject : Hindi**

Lesson Name: राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद **Topic/Concept :** लिखो **Worksheet No.: 57**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र पाठ में दी गयी विषय-वस्तु को पूर्ण तरह समझकर, भाव समझते हुए प्रश्नों के उत्तर लिखेंगे। पाठ के अभ्यासों में दिये गये प्रश्नों के उत्तर सरलता से अपने शब्दों में लिखेंगे।

PRACTICE SHEET

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच-छह पंक्तियों में लिखिए।

1. क्रोध का केवल नकारात्मक ही नहीं सकारात्मक पक्ष भी होता है। पक्ष-विपक्ष में अपने विचार प्रकट कीजिए।

2. पाठ के आधार पर राम, लक्ष्मण और परशुराम के संवादों की तुलना कर अंतर स्पष्ट कीजिए।

3. सीता स्वयंवर की सभा का आयोजन हुआ। उस सभा का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

4. शिवधनुष के तोड़े जाने का कारण क्या है?

ASSESSMENT SHEET

1. कवितांश में राम का व्यवहार विनयपूर्वक और संयत है, लक्ष्मण लगातार व्यंग्य बाणों का उपयोग करते है और परशुराम का व्यवहार क्रोध से भरा हुआ है। इस परिस्थिति में आपका व्यवहार कैसा होता?
2. इस पाठ्यांश में कौनसा पात्र आपको अच्छा लगा और क्यों?
3. निम्नलिखित संकेतों के आधार पर तुलसीदास जी का परिचय लिखिए।

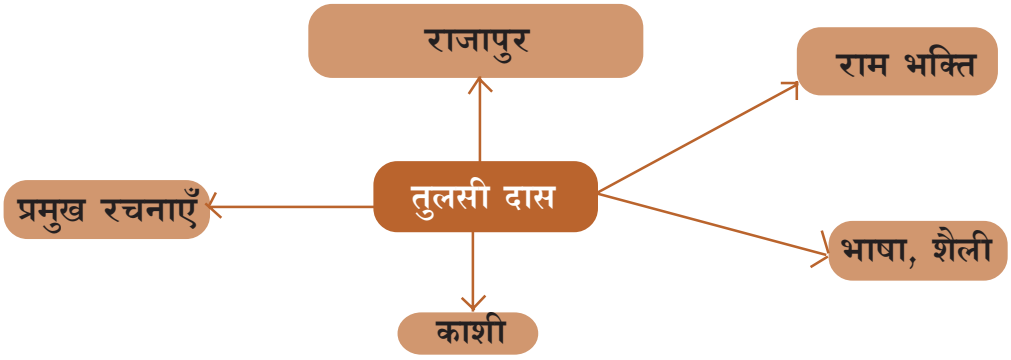

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL) **Medium : EM/HM** **Subject : Hindi**

Lesson Name: राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद **Topic/Concept :** सृजनात्मकता अभिव्यक्ति

Worksheet No.:58

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र अपनी कल्पनाशक्ति का परिचय देते हुए सृजनात्मक अभिव्यक्ति को विविध रूपों में व्यक्त करेंगे।

PRACTICE SHEET

1. 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' कविता को संवाद रूप में लिखिए।

ASSESSMENT SHEET

1. ''यदि आप सूरज की तरह चमकना चाहते हैं, तो पहले आप सूरज की तरह जलिए'' - यह डॉ. ए.पी.जे. कलाम जी का महान सुविचार है। इस कथन की पुष्टि करते हुए कलाम जी के महान व्यक्तित्व पर एक निबंध लिखिए।

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL) **Medium : EM/HM** **Subject : Hindi**

Lesson Name: राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद **Topic/Concept :** भाषा की बात **Worksheet No.:59**

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र अपने भाषाई कौशलों का विकास करेंगे। वचन, लिंग, पर्याय, विलोम आदि के ज्ञान को विस्तृत करते हुए अभ्यास लिखेंगे।

PRACTICE SHEET

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सूचना के अनुसार दीजिए।

1. <u>नयन</u> की तुलना अक्सर मीन से (जैसे मीनलोचन) की जाती है।

   (रेखांकित शब्द के पर्याय शब्द लिखिए।) _____, _____

2. <u>विनय</u> शब्द का विलोम शब्द लिखकर विलोम शब्द से वाक्य प्रयोग कीजिए।

   _____

3. शैली शब्द का वचन बदलकर वाक्य प्रयोग कीजिए।

   _____

4. बोली चितै परसु की ओरा। रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा।। _____

   (उपर्युक्त वाक्य में आये तुकबंदी शब्द पहचानकर लिखिए।)

ASSESSMENT SHEET

1. 'नृप' शब्द के पर्यायवाची शब्द लिखिए। _____, _____
2. 'अमृत' शब्द का विलोम शब्द लिखकर विलोम शब्द से वाक्य प्रयोग कीजिए।

   _____

3. 'दास' शब्द का वचन बदलकर वाक्य प्रयोग कीजिए।
4. क्यों आगे खड़ी विषम बाधा। मैं जपता रहा कृष्ण - राधा।

   _____

   (उपर्युक्त वाक्य में आये तुकबंदी शब्द पहचानकर लिखिए।)
5. 'संध्या' शब्द का तद्भव रूप लिखिए।

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
TELANGANA, HYDERABAD

ACADEMIC YEAR 2020-21

LEVEL – 2

Class : X (FL) **Medium : EM/HM** **Subject : Hindi**

Lesson Name: राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद Topic/Concept : व्याकरणांश Worksheet No.: 60

LEARNING OUTCOMES

इस वर्कशीट के द्वारा छात्र शब्द भेद, वाक्यों में प्रयोग, वाक्य के प्रकार, संधि, समास आदि के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे तथा लिखेंगे। भाषा की बारीकियों और भाषिक संरचना को समझकर लिखेंगे।

PRACTICE SHEET

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सूचना के अनुसार लिखिए।

1. निम्नलिखित शब्दों का समास का विग्रह कर लिखिए।

   (1) शिवधनुष -

   (2) सहस्त्रबाहु -

   (3) महीप कुमार -

2. निम्नलिखित शब्दों का संधि विच्छेद कर संधि पहचानकर लिखिए।

   (1) सप्तर्षि - _____

   (2) नयन - _____

3. निम्नलिखित वाक्यों को कर्मवाच्य में बदलकर लिखिए।

   (1) मोहन गाना गाता है। _____

   (2) राम रोटी खाता है। _____

4. उचित कारक चिह्न से रिक्त स्थान भरिए।

   रामलाल ..... पुत्र प्रथम श्रेणी ..... पास हुआ।

ASSESSMENT SHEET

1. निम्नलिखित शब्दों का समास विग्रहकर लिखिए।

   (1) आजीवन

   (2) रामभक्ति

   (3) पंचवटी

2. निम्नलिखित शब्दों की संधि विच्छेदकर संधि पहचानिए।

   (1) सद्व्यवहार

   (2) रमेश

3. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए।

   (1) मैं आपकी श्रद्धा करता हूँ।

   (2) वे परीक्षा में उत्तीर्ण हो गया।

4. अर्थ के अनुसार वाक्य के भेद पहचानिए।

   (1) आप कौन हैं?

   (2) आपका वहाँ जाना उचित नहीं है।

5. उचित कारक चिह्न से रिक्त स्थान भरिए।

   राजा जनक _____ पुत्री सीता _____ विवाह _____ स्वयंवर रचा गया।